शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 81 | गुवाहाटी | रविवार, 20 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत के बाहर रह रहे देशवासियों की सेवा करना हमारी सरकार की सर्वोच्च ... पेज 2
लुमडिंग में संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से इंजन हुआ अलग पेज 3
शिक्षा का व्यापार बनना देश के भविष्य के लिए कभी अच्छा नहीं : उपराष्ट्रपति पेज 5
आईएमएल की गवर्निंग काउंसिल में सुनील गावस्कर, शॉन पोलक, सर विवियन... पेज 7

एनडीए चुनाव एक साथ लड़ेगा और सरकार भी बनाएगा : हिमंत

रांची (हि.स.)। भाजपा के झारखंड प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि चुनाव एनडीए एक साथ लड़ेगा और सरकार भी बनाएगा। लोजपा के केंद्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान भी चुनाव में एनडीए के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करेंगे। एनडीए एक साझा घोषणा पत्र लेकर जनता के पास जाएगा। हिमंत विश्व शर्मा भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में एनडीए के सभी घटक मिलकर चुनाव लड़ने वाले हैं और जहां भी जरूरत होगी, वहां चिराग पासवान भी चुनाव प्रचार में आएंगे। कम समय में ही लोजपा (आर) ने राज्य में अपना संगठन अच्छे से खड़ा किया है। निश्चित तौर पर चुनाव में एनडीए गठबंधन सफल होकर सरकार बनाएगा। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कल ही झारखंड विधानसभा में एनडीए के घटक दलों के बीच सीट शेयरिंग पर सहमति बनी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम सभी दल मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव लड़ते हैं। यह भी तय हुआ है कि हम झारखंड में भी मिलकर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हर एक विधानसभा सीट को जीतने के लिए चुनाव लड़ेंगे। पिछले 5 वर्षों से वर्तमान सरकार ने झारखंड के लोगों को धोखा दिया है। लूटा है। इससे झारखंड के लोगों को मुक्ति दिलानी है। झारखंड में -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा ने झारखंड के लिए 66 नामों की पहली सूची जारी की

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को झारखंड विधानसभा चुनावों से जुड़े अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। पार्टी राज्य में गठबंधन के तहत चुनाव लड़ रही है। उसके खाते में 81 में से 68 सीटें हैं। आज पार्टी ने इनमें से 66 सीटों -शेष पृष्ठ दो पर

23 को नामांकन दाखिल करेंगी प्रियंका, राहुल के साथ करेंगी रोड शो

नई दिल्ली। वायनाड लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा 23 अक्तूबर को नामांकन दाखिल करेंगी। इससे पहले वह लोकसभा में विपक्ष के नेता और अपने भाई राहुल गांधी के साथ रोड शो करेंगीं। रोड शो का समापन कलक्ट्रेट वायनाड पर होगा। इसके बाद प्रियंका गांधी वाड्रा नामांकन पत्र जमा करेंगीं। बता दें कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के सीट छोड़ने के बाद वायनाड में उपचुनाव हो रहे हैं। यहां से कांग्रेस ने प्रियंका गांधी को प्रत्याशी बनाया है। वायनाड से निर्वाचित होने पर प्रियंका पहली बार किसी सदन की सदस्य बनेंगी। वह 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सक्रिय राजनीति में उतरी थीं। उसके बाद से वह पार्टी महासचिव की जिम्मेदारी निभा रही हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा वायनाड लोकसभा उपचुनाव की -शेष पृष्ठ दो पर

असम के जलाशयों को पुनर्जीवित करेगी सरकार : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि लगभग 800 करोड़ रुपए की लागत से राज्यभर के 129 बीलों (जलाशयों) को पुनर्जीवित करने की परियोजना असम सरकार शुरू कर रही है। एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से शुरू की जा रही इस परियोजना से मछली उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और इससे जल प्रबंधन में भी सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने शनिवार को मीडिया को बताया कि सस्टेनेबल वेटलैंड एंड इंटीग्रेटेड फिशरीज ट्रांसफॉर्मेशन (एसडब्ल्यूआईएफटी) नामक इस परियोजना को लगभग चार हजार हेक्टेयर भूमि पर बील में मत्स्य पालन सुनिश्चित करने के लिए इसे डिजाइन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना न केवल इन आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्रों को पुनर्जीवित करेगी, बल्कि देशी मछली उत्पादन को भी पर्याप्त बढ़ावा देगी। हमारा लक्ष्य इन बीलों की जल भंडारण क्षमता को बढ़ाना और -शेष पृष्ठ दो पर

करीमगंज में पकड़ा गया बांग्लादेशी नागरिक, पुलिस ने भेजा वापस

करीमगंज। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को जानकारी दी कि करीमगंज जिले में एक अवैध घुसपैठिए, एक बांग्लादेशी नागरिक, मोहम्मद आरिफ को एक सफल पुशबैक में असम पुलिस ने पकड़ लिया और सीमा पार भेज दिया। सितंबर में असम पुलिस ने आठ बच्चों समेत 17 बांग्लादेशियों को सीमा पार भेज दिया था। असम पुलिस की सराहना करते हुए, सीएम ने कथित घुसपैठियों के नाम भी बताए थे। इसमें हारुल लामिन, उमाई खुनसुम, मोहम्मद इस्माइल, संसिदा बेगम, रूफिया बेगम, फातिमा खातून, मोजुर रहमान, हबी -शेष पृष्ठ दो पर

संविधान पर हो रहे चौतरफा हमले, रक्षा की जरूरत : राहुल गांधी

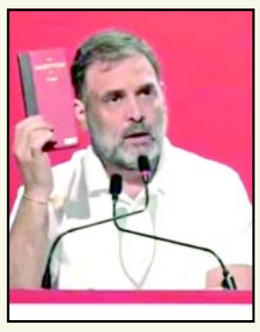

रांची (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि आज की सच्चाई है कि संविधान के रक्षा की जरूरत है। सिर्फ संविधान का सम्मान करने से नहीं होगा। चारों तरफ से संविधान पर आक्रमण हो रहा है। सिर्फ एक-दो व्यक्ति नहीं, बल्कि अलग-अलग शक्तियां इस पर हमला कर रही हैं। इनका लक्ष्य है संविधान खत्म हो जाए या फिर खोखला बना दिया जाए। गांधी शनिवार को डोरंडा के शौर्य सभागार में सिविल सोसाइटी सहित समाज के सभी वर्गों के साथ संविधान बचाओ सम्मेलन में बोल रहे थे। राहुल गांधी ने संविधान की प्रति दिखाते हुए कहा कि इसको खोखला किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसको लागू तो 1950 में किया गया लेकिन यह -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सत्य भी यदि अनुचित है तो उसे नहीं कहना चाहिए।

– आचार्य चाणक्य

ईसी ने झारखंड के डीजीपी को तत्काल हटाने का निर्देश दिया

रांची (हि.स.)। केंद्रीय चुनाव आयोग ने शनिवार को झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को हटाने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा है कि राज्य सरकार कार्यवाहक डीजीपी अनुराग गुप्ता को पद से तत्काल प्रभाव से हटाकर कैडर में उपलब्ध सबसे वरिष्ठ डीजीपी स्तर के अधिकारी को प्रभार सौंपे। आयोग ने राज्य सरकार से शाम सात बजे तक कार्रवाई की रिपोर्ट तलब की है। जानकारी के मुताबिक, चुनाव आयोग ने अनुराग गुप्ता के खिलाफ साल 2019 चुनावों में चुनाव आयोग द्वारा की गई -शेष पृष्ठ दो पर

जिरिबाम के एक गांव में उग्रवादियों ने की बमबारी

इंफाल। मणिपुर के जिरिबाम जिले के एक गांव में उग्रवादियों ने हमला कर दिया, जिसके बाद शनिवार को फिर हिंसा भड़क गई। एक अधिकारी ने बताया कि उग्रवादियों ने पांच बजे गांव पर हमला किया। उन्होंने गांव में बमबारी भी की। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और पुलिस कर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान दोनों तरफ से गोलीबारी हुई। अधिकारी ने कहा कि घटनास्थल पर अतिरिक्त सुरक्षाबलों को भेजा जा रहा है। फिलहाल किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। एकबार फिर हिंसा भड़कने के कारण गांव से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित स्थानो पर ले जाया जा रहा है। बता दें कि राज्य में पिछले डेढ़ साल से जारी संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए मैतेई और कुकी समुदायों के विधायकों के बीच राजधानी दिल्ली में बातचीत के कुछ दिनों बाद यह हिंसा हुई। जिरिबाम के एक स्कूल में आग लग गई, जिसमें लाखों का सामान नष्ट हो गया। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को *कलीमनगर पार्ट 2* क्षेत्र में स्थित *ब्लूमिंग फ्लावर चिल्ड्रन फाउंडेशन स्कूल* में आग लगी। हालांकि, किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है और आग पर भी काबू पा लिया गया है। आग लगने के कारणों का भी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है। उधर पूर्वी इंफाल जिले में दो उग्रवादियों क गिरफ्तार किया गया। दोनों की पहचान मुतुम इनाओ सिंह और ख्वायरकपम राजेन सिंह के तौर पर की गई है। उन्हें शुक्रवार को प्योरिरोम्बा खोंगनांगखोंग इलाके से -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

छत्तीसगढ़ में आईईडी विस्फोट, दो जवान शहीद

नारायणपुर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में शनिवार को आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से आईटीबीपी 53 बटालियन के दो जवानों का बलिदान हो गया जबकि नारायणपुर जिला पुलिस के दो जवान घायल हो गए हैं। बताया गया कि अबूझमाड़ इलाके के ओरछा, मोहंदी एवं ईरकभट्टी से आईटीबीपी, बीएसएफ एवं डीआरजी -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव को उपराज्यपाल ने दी मंजूरी

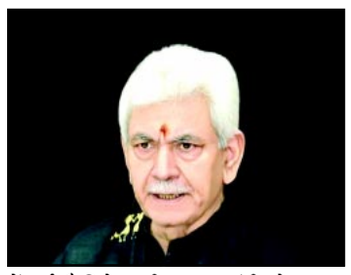

श्रीनगर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अगुवाई वाली कैबिनेट द्वारा पारित प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है, जिसमें केंद्र सरकार से केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करने का आग्रह किया गया है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में राज्य के मूल स्वरूप को बहाल करने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया, जिसके बाद उपराज्यपाल ने कैबिनेट द्वारा पारित प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी। प्रवक्ता ने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करना एक उपचार प्रक्रिया की शुरुआत होगी, जिसमें संवैधानिक अधिकारों को पुन: प्राप्त करना और जम्मू-कश्मीर के लोगों की पहचान की रक्षा करना शामिल है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने मुख्यमंत्री को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के साथ मामला उठाने के लिए अधिकृत किया है। प्रवक्ता -शेष पृष्ठ दो पर

मेरा बेटा माफी नहीं मांगेगा : सलीम खान

मुंबई। बाबा सिद्दीकी की मौत के बाद से एक्टर सलमान खान को लगातार धमकियां मिल रही हैं, जिसे देखते हुए उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। इस गैंग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि जो भी सलमान खान का समर्थन करेगा, उसे गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। पुलिस ने हाल ही में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक शूटर सुक्खा उर्फ सुखबीर बलबीर सिंह को गिरफ्तार किया गया है। सुक्खा उन आरोपियों में -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू के घर पर ड्रोन हमला, किसी ने नहीं ली जिम्मेदारी

तेल अवीव/बेरूत (हि.स.)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर पर ड्रोन हमला हुआ है। नेतन्याहू के कार्यालय ने माना कि शनिवार को केंद्रीय शहर में लेबनान का एक ड्रोन ढांचे से टकरा गया। इस सूचना के फौरन बाद कैसरिया में उनके आवास को ड्रोन से निशाना बनाया गया। बेरूत के प्रमुख समाचार पत्र लो ओरिएंट टुडे की खबर के अनुसार, अभी तक किसी आतंकवादी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। नेतन्याहू के कार्यालय ने बयान में कहा कि एक यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) को कैसरिया में प्रधानमंत्री के आवास की ओर भेजा गया। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि इससे पहले आज सुबह इजराइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने एक्स पोस्ट में आगाह किया था कि हाइफा और दक्षिणी इजराइल में सायरन बज रहे हैं। बताया जा रहा है कि नेतन्याहू के -शेष पृष्ठ दो पर

युद्ध समाप्त करने के लिए समयसीमा निर्धारित करना कठिन : पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित करना कठिन है लेकिन उन्हें यकीन है कि इसमें उनका देश जीतेगा। उन्होंने यूक्रेन में युद्ध के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जताई गई चिंता को लेकर उनकी तारीफ की। यहां मीडिया से बातचीत में रूसी नेता ने कहा कि उनका देश वार्ता के पक्ष में है लेकिन इस दिशा में की गई कोशिश को यूक्रेन ने ही पलीता लगा दिया। जब उनसे पूछा कि क्या उन्हें रूस और यूक्रेन के बीच शांति संबंधी वार्ता में भारत की भूमिका नजर आती है तो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्यक्त की गई चिंता का हवाला दिया और मोदी को *मित्र* बताया। पुतिन ने कहा कि रूस इसके लिए *आभारी* है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि युद्ध समाप्त करने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित करना कठिन है। उन्होंने रूस को युद्ध में धकेलने के लिए अमेरिका और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को दोषी ठहराया तथा कहा कि उनका देश विजयी होगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की सेना -शेष पृष्ठ दो पर

एआई का सफलतापूर्वक उपयोग से परिवर्तनकारी बदलाव संभव : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आकांक्षी भारत के बीच संतुलन के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि अगर हम आकांक्षी भारत की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सफलतापूर्वक उपयोग करते हैं, तो इससे परिवर्तनकारी बदलाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया एआई को एक अवसर के रूप में देखती है, जबकि भारत के लिए यह एक चुनौती और अवसर दोनों प्रस्तुत करता है। प्रधानमंत्री ने आज नई दिल्ली के डॉ अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में *कर्मयोगी सप्ताह* – राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह का शुभारंभ करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मिशन कर्मयोगी के माध्यम से हमारा लक्ष्य ऐसे मानव संसाधन तैयार करना है, जो हमारे देश के विकास की प्रेरक शक्ति बने। अभी तक की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर हम इसी उत्साह के साथ काम करते रहेंगे तो देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के दौरान मिली नई सीख और अनुभव हमें कार्य प्रणालियों को बेहतर बनाने की क्षमता और मदद देंगे, जिससे हमें 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने पिछले दस वर्षों में सरकार की मानसिकता बदलने के लिए उठाए गए कदमों की चर्चा की, जिसका असर आज लोगों को महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार में काम करने वाले लोगों के प्रयासों और मिशन कर्मयोगी जैसे कदमों के प्रभाव से संभव हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल क्रांति और सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण सूचना समानता एक मानक बन गई है। एआई के साथ, सूचना तैयार करना भी समान रूप से आसान हो रहा है, जिससे नागरिकों को जानकारी मिल रही है और उन्हें सरकार की सभी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सशक्त बनाया जा रहा है। इसलिए, सिविल सेवकों को नवीनतम -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत के बाहर रह रहे देशवासियों की सेवा करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : राष्ट्रपति

लिलोंग्वे (हि.स.)। तीन अफ्रीकी देशों की यात्रा के अंतिम चरण में मलावी पहुंचीं भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत के बाहर रह रहे अपने देशवासियों का कल्याण करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनकी सरकार भारतीयों की चिंता को दूर करने और उनकी सुरक्षा, कल्याण और उन्नति सुनिश्चित करने के लिए विश्व में अपने सहयोगियों के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत आपसी विश्वास, समानता, और पारस्परिक लाभ के सिद्धांतों पर आधारित अफ्रीकी महाद्वीप के साथ अपनी साझेदारी को महत्व देता है। अफ्रीका के साथ सहयोग का हमारा मॉडल स्थानीय संसाधन का उपयोग करने और क्षमता निर्माण का है। यह अफ्रीका की आवश्यकताओं की प्राथमिकता पर आधारित है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि ग्लोबल साउथ के अग्रणी सदस्य के रूप में भारत विश्व की दोतिहाई जनसंख्या के हितों का प्रतिनिधित्व करने की अपनी भूमिका को गंभीरता से लेता है। मलावी में आप सभी के बीच उपस्थित होकर प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। भारत और मलावी के राजनयिक संबंधों को 60 वर्ष पूरे हो गए हैं। यह रिश्ते ऐतिहासिक हैं। मलावी से भारत के गहरे सांस्कृतिक संबंध भी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का मलावी के राष्ट्रपति लाजर मैक्कार्थी चकवेरा ने स्टेट हाउस में गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं ने भारत-मलावी संबंधों को सुदृढ़ करने के अलावा कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लिलोंग्वे में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा किया।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने जलवायु परिवर्तन को लेकर चेताया, कहा–

एकजुट प्रयासों और अतीत से सबक लेने की जरूरत

नई दिल्ली। गोवा के राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई की किताब *भारत के पारंपरिक पेड़* के लॉन्चिंग के मौके पर भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर हाशिए पर पड़े समाज के तबके के अलावा मछुआरों और किसानों पर पड़ रहा है। सीजेआई ने यह भी कहा कि राज्य के साथ-साथ नागरिकों को पर्यावरण की रक्षा, संरक्षण और सुधार के लिए मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया कि कल भी गोवा में बारिश हुई थी। बचपन में हमें बताया जाता था कि नारियल पूर्णिमा पर बारिश खत्म हो जाएगी, जब मछुआरे समुद्र में नारियल चढ़ाते हैं। लेकिन अब, अक्तूबर और दिसंबर में भी बारिश होती है। सीजेआई ने जोर देकर कहा कि जलवायु परिवर्तन केवल संपन्न लोगों को ही प्रभावित नहीं कर रहा है, बल्कि यह समाज के सबसे हाशिए पर पड़े वर्गों, जैसे मछुआरा समुदाय और किसानों को भी प्रभावित कर रहा है। जलवायु परिवर्तन के प्रति हमारी प्रतिक्रिया हमारे समाज के सबसे कमजोर वर्गों की रक्षा करना होनी चाहिए। सीजेआई ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 48ए में यह अनिवार्य किया गया है कि राज्य पर्यावरण की रक्षा और सुधार करेगा तथा वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करेगा, जबकि अनुच्छेद 51ए(जी) में यह प्रावधान है कि प्रकृति की रक्षा करना, सभी जीवों के प्रति दया रखना प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य है। राज्य और नागरिकों को मिलकर काम करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि वनों की सुरक्षा हमारे संविधान में निहित पर्यावरण संरक्षण का एक महत्वपूर्ण पहलू है। भारत ने प्रकृति के महत्व को लंबे समय से पहचाना है। यह केवल राज्य की तरफ से किया जाने वाला काम नहीं है। बल्कि हम नागरिकों को भी यह करना होगा।

पाइपलाइन से तेल चोरी गिरोह के छह सदस्य गिरफ्तार

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट में पुलिस ने तेल पाइपलाइन से तेल चोरी करने के आरोपित गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आज बताया कि गिरफ्तार गिरोह ऑयल इंडिया लिमिटेड की तेल पाइपलाइनों में छेद करके तेल की चोरी करता रहा है। गिरफ्तार किए गए तेल चोरों की पहचान प्रणव बरुवा (डिगबोई), भुवन मोरान (बरडुबी, तिनसुकिया), बिकी बरसैकिया (दुलियाजान), ख्याति सैकिया (दुलियाजान), पराग बोरा (पुलिबर, जोरहाट) और जीतुल दास (पुलिबर, जोरहाट) के रूप में हुई है। गिरोह के पास से एक लाइसेंसी पिस्तौल, एक स्विफ्ट कार के साथ ही तेल पाइपलाइन फोड़ने और सर्कल से तेल चोरी करने के कई सामान बरामद किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि इस गिरोह के खिलाफ पहले भी तेल चोरी के कई आरोप लग चुके हैं।

देश में लगातार बढ़ रही विमानों में बम की धमकियां

नई दिल्ली। देश भर की तमाम एयरलाइन कंपनियों के विमानों में बम की धमकी मिलने का सिलसिला कई दिनों से जारी है। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बढ़ोतरी शनिवार के दिन देखी गई है, जानकारी के मुताबिक सिर्फ शनिवार को 30 से ज्यादा विमानों में बम की धमकी मिली है। फिलहाल नागरिक उड्डयन मंत्रालय एयरलाइनों को बम की झूठी धमकी देने की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त नियम लागू करने की योजना बना रहा है, जिसमें ऐसा करने वालों को नो-फ्लाई सूची में डालना भी शामिल है। सूत्रों के अनुसार, शनिवार को विस्तारा, एयर इंडिया और इंडिगो समेत कई भारतीय एयरलाइनों की 30 से अधिक उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर, विस्तारा, स्पाइसजेट, स्टार एयर और एलायंस एयर के विमानों को धमकियां मिली हैं। वहीं इस हफ्ते अब तक भारतीय एयरलाइनों की कम से कम 70 फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है और उनमें से अधिकांश फर्जी साबित हुईं। सूत्रों ने बताया कि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों समेत घरेलू एयरलाइनों की तरफ से संचालित 30 से अधिक उड़ानों को शनिवार सुबह से सोशल मीडिया के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें से कम से कम एक विमान के शौचालय में एक नोट मिला जिसमें लिखा था कि इस विमान में बम है। शनिवार को विस्तारा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर उसकी पांच विमानों को सोशल मीडिया के माध्यम से सुरक्षा संबंधी धमकियां मिलीं, जबकि इंडिगो ने कहा कि उसकी कम से कम चार उड़ानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले हैं।

बैटरी फटने की वजह से दो व्यक्ति घायल

कछार (हिंस)। कछार जिले के काशीपुर इलाके में बैटरी फटने की वजह से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात रवींद्र देवनाथ नामक व्यक्ति के घर में रिचार्जेबल बैटरी का परीक्षण करने के दौरान बैटरी में विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना भयंकर था कि आसपास के लोग घबरा गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस अधीक्षक नोमाल महतो पहुंचे। घटना में घायल विवेकानंद देवनाथ और सलीम बारभुईया को इलाज के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

टेक्नोलॉजी में इनोवेशन नई संभावनाओं का द्वार खोलती है : गडकरी

भोपाल (हि.स.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रवींद्र भवन में शनिवार से *सड़क और पुल निर्माण में उभरती नवीनतम प्रवृत्तियों और तकनीकों* पर केंद्रित दो दिवसीय सेमिनार आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में सड़क और पुल निर्माण की गुणवत्ता को और बेहतर करने के उद्देश्य से देशभर के विशेषज्ञों का मंथन शुरू हो चुका है। इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी राजधानी भोपाल पहुंचे। नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सेमिनार का शुभारंभ किया। सेमिनार को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि टेक्नोलॉजी में इनोवेशन नई संभावनाओं का द्वार खोलती है। उन्होंने सरकारी विभागों में तालमेल की कमी को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने इंजीनियर्स से कहा कि विभाग का मंत्री होने के नाते अच्छे काम का क्रेडिट हमें मिलता है लेकिन जब सड़क पर गड्ढे होते हैं तो डिसक्रेडिट भी मिलता है। सोशल मीडिया में लोग हमें ठोंकते हैं। आगे-पीछे कुछ नहीं देखते। गलत डीपीआर बनाने वालों पर तंज कसते हुए कहा कि एक-एक को पद्मश्री और पद्म भूषण मिलना चाहिए। इतने गंदे काम हो सकते हैं इंजीनियरिंग प्वाइंट ऑफ व्यू से सोचिए जरा। उन्होंने कहा कि मैं मुख्यमंत्री से कहूंगा कि आप अपने यहां इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियों से कहो कि ये डीपीआर चेक करो। उनका अनुभव भी बढ़ेगा और क्रॉस चेक भी होगा। गडकरी ने कहा कि मैं वेस्ट मैनेजमेंट में विश्वास रखता हूं। नो मैटेरियल इज वेस्ट एंड नो पर्सन इज वेस्ट। यह टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल और लीडरशिप पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी में इनोवेशन नई संभावनाओं का द्वार खोलती है। उन्होंने सरकारी विभागों में तालमेल की कमी को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि हमारे रूल ऑफ बिजनेस में लिखा है कि एक अधिकारी को दूसरे से बात नहीं करना। चर्चा नहीं करना। रेलवे अलग ब्रिज बना रहा है। हम अलग बना रहे हैं। तीसरा और चौथा कोई और बना रहा है। प्रधानमंत्री बोलते थे-ये साइरोल में चलता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का देश के लिए योगदान है कि उन्होंने जो गति शक्ति सॉफ्टवेयर का प्लेटफॉर्म खड़ा किया अब इसके कारण हम सब समझ जाते हैं। गडकरी ने कहा कि 40 प्रतिशत पॉल्यूशन रोड वाले करते हैं। हमें गंभीरता से सोचना चाहिए। जो पेड़ ऑक्सीजन ज्यादा छोड़ते हैं उन्हें लगाइए। हमने 70 हजार पेड़ ट्रांसप्लांट किए। आप भी ग्रीन हाइवे बनाइए। अपने ध्यान में गलती आए तो उसे स्वीकार करो और सुधार करो। मैं अक्सर कहता हूं कि अमेरिका में अच्छी सड़कें इसलिए नहीं है क्योंकि अमेरिका अमीर है, बल्कि इसलिए अमेरिका अमीर है क्योंकि वहां अच्छी सड़कें हैं। गडकरी ने कहा कि पूरे मध्य प्रदेश के नगर निगमों, नगरपालिका निगमों और पूरे देश में जो भी कचरा है, उसे उठाकर ठीक से सेग्रीगेट करें और उसका उपयोग सड़कों के निर्माण में करें। इस प्रक्रिया से न केवल सड़कों का निर्माण होगा, बल्कि यह इकोलॉजी और एनवायरमेंट को भी प्रोटेक्ट करेगा। उल्लेखनीय है कि सेमिनार में सड़क और पुल निर्माण की नई तकनीक, सामग्री और एग्रीमेंट प्रोसेस से जुड़े पहलुओं पर एक्सपर्ट्स अपने अनुभव और सुझाव साझा कर रहे हैं। यहां एक प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जिसमें सड़क और पुल निर्माण में लगने वाली नई मशीनरी समेत अन्य सामग्री का प्रदर्शित की गई हैं। सेमिनार में विभिन्न तकनीकी-सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें देशभर से आए हुए विशेषज्ञ नई तकनीकों, निर्माण सामग्रियों और ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन) एग्रीमेंट प्रक्रिया की चुनौतियों पर अपने विचार रखेंगे।

पृष्ठ एक का शेष

एनडीए चुनाव एक ...

बेहतर सरकार बनानी है। झारखंड के मजबूत होने पर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश भी मजबूत होगा। लोजपा के झारखंड प्रभारी अरुण भारती ने कहा कि एक दशक के बाद लोजपा झारखंड में चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान का निर्देश था कि झारखंड में चुनाव गठबंधन के तहत ही लड़ना है। बिहार जैसा प्रदर्शनी झारखंड में दोहराएंगे। सीटों से अधिक हमें फर्क नहीं पड़ेगा। गठबंधन में एक साथ रहकर चुनाव लड़ने से फर्क पड़ेगा। हम लोगों ने गठबंधन तय कर लिया है। पार्टी चतरा (सुरक्षित) सीट से चुनाव लड़ेगी। इस दौरान लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान, भाजपा के राज्यसभा सदस्य डॉ प्रदीप वर्मा, लोजपा के झारखंड प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार सौरभ सिंह मौजूद रहे।

भाजपा ने झारखंड ...

पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी धनवार से चुनाव लड़ेंगे। सरायकेला से पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, कांग्रेस से भाजपा में आईं मंजू देवी को जमुआ और पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा को जगन्नाथपुर और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की बड़ी पुत्र वधू सीता सोरेन को जामताड़ा से टिकट दिया है। बोरियो से लोबिन हेम्ब्रोम, चाईबासा से गीता बालमुचू और कोडरमा से नीरा यादव को टिकट दिया गया है। उल्लेखनीय है कि झारखंड की 43 विधानसभा सीटों के लिए 13 नवंबर और 38 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा। पहले चरण की नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है और दूसरे चरण की प्रक्रिया 22 अक्तूबर से शुरू होगी।

23 को नामांकन ...

घोषणा के तुरंत बाद कांग्रेस ने प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी वाली सूची जारी की। दिलचस्प तथ्य है कि अगर प्रियंका गांधी लोकसभा चुनाव जीतती हैं, तो वह मौजूदा संसद में गांधी परिवार से तीसरी सांसद होंगी। भाई राहुल लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं, जबकि मां सोनिया गांधी राज्यसभा की सदस्य हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसी साल जून में घोषणा की थी कि गांधी परिवार की पारंपरिक सीट रायबरेली को राहुल गांधी बरकरार रखेंगे। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी के वायनाड सीट खाली करने के बाद कांग्रेस इस लोकसभा सीट से प्रियंका गांधी को मैदान में उतारेगी। इस मौके पर मौजूद रहे राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी के जीतने का भरोसा जताते हुए कहा था कि अब रायबरेली और वायनाड दोनों को दो-दो सांसद मिलेंगे। राहुल गांधी ने 2019 और 2024 में वायनाड से लोकसभा चुनाव जीता था। अब वह लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर 13 नवंबर को उपचुनाव होगा। जबकि नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

असम के जलाशयों ...

देशी मछली प्रजातियों के प्रभावी संरक्षण और प्रबंधन को लागू करना है। स्विफ्ट परियोजना का उद्देश्य चार हजार हेक्टेयर भूमि पर स्थित बीलों में मत्स्य पालन को पुनर्स्थापित करना है, जिससे प्रति हेक्टेयर सालाना 12 क्विंटल अतिरिक्त मछली का उत्पादन होने का अनुमान है। मछली उत्पादन में यह वृद्धि स्थानीय अर्थव्यवस्था और क्षेत्र के समुदायों के लिए खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देगी, जो अपनी आजीविका के लिए इन संसाधनों पर निर्भर करते हैं। मछली उत्पादन बढ़ाने के अलावा, परियोजना जल भंडारण क्षमताओं में सुधार करने और संसाधन प्रबंधन में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।

करीमगंज में पकड़ा ...

उल्लाह, सोबिका बेगम शामिल थे। इससे पहले शर्मा ने कहा था कि मैंने असम, झारखंड और पश्चिम बंगाल में जनसांख्यिकीय आक्रमण देखा है। जब जनगणना होगी तो पूर्वी भारत के राज्यों की जनसांख्यिकी पर चौंकाने वाली खबरें आएंगी। उन्होंने कहा कि असम में स्थिति अलग है क्योंकि लोग जनसांख्यिकीय आक्रमण के बारे में बहुत जागरूक हैं। शर्मा ने कहा कि अवैध विदेशियों के खिलाफ असम आंदोलन के दौरान, लोगों ने चेतावनी दी थी कि राज्य के सामने आने वाली समस्याएं अंततः पूरे देश को प्रभावित करेंगी, और हम देख रहे हैं कि अब ऐसा हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि 2024 और 2019 की मतदाता सूची की तुलना की जाए तो जनसांख्यिकीय परिवर्तन स्पष्ट होगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि पुलिस ने बांग्लादेश के चार घुसपैठियों को गिरफ्तार कर उन्हें बांग्लादेश के अधिकारियों को सौंप दिया है। इनमें दो महिलाओं भी थीं। मुख्यमंत्री शर्मा ने *एक्स* पर पोस्ट किया कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर कड़ी निगरानी रखते हुए असम पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास चार बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा और उन्हें वापस सीमा पार भेज दिया।

संविधान पर हो रहे ...

समझना जरूरी है कि इसको लागू करने के पीछे सोच हजारों साल पुरानी है। यह भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, गुरुनानक समेत उन महापुरुषों की सोच का नतीजा है जो मनुस्मृति के खिलाफ थे। राहुल गांधी ने कहा कि आज भाजपा के लोग आदिवासी को वनवासी कहते हैं। यह कहकर आदिवासियों के इतिहास, उनके जीने के तरीके को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। आदिवासी का मतलब मालिक से था। अब उसे वनवासी कहकर जंगल में भेजना चाह रहे हैं। आज किसी भी कॉर्पोरेट में बड़े पदों पर ओबीसी, आदिवासी, दलित नहीं मिलेगा। हलुआ वही बांट भी रहे हैं और खा भी रहे हैं। आज 100 रुपए में से पांच रुपए खर्च करने का निर्णय ओबीसी लेते हैं। दलित एक रुपए और आदिवासी 10 पैसे खर्च करने का निर्णय लेते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सभी संस्थाओं पर अपना कंट्रोल जमा लिया है। साथ ही कहा कि इस देश में 50 प्रतिशत आरक्षण के बैरियर को तोड़कर जातीय जनगणना को सुनिश्चित कराएंगे ताकि यह पता चल सके कि कौन कितने का हकदार है। राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति आदिवासी वर्ग की हैं। पहली बार आदिवासी वर्ग से राष्ट्रपति बनीं। जब संसद भवन का उद्घाटन होता है तो उनको कहा जाता है कि आप आदिवासी हैं, आपको नहीं जाना है। धूमधाम से राम मंदिर का उद्घाटन होता है और राष्ट्रपति से कहा जाता है कि आपकी जगह नहीं है। वहां अंबानी और अडानी को बुलाया जाता है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी कहते हैं मैं दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों का सम्मान करूंगा लेकिन आपके हाथ से आपकी शक्ति छीन लेते हैं। सम्मान आपको देते हैं और पावर आपसे छीनते हैं। लोकसभा के चुनाव में जनता ने उनको समझा दिया। अब मुस्कुराते हुए नहीं दिखते हैं। मुस्कुराना भूल गए हैं। कांग्रेस का बैंक अकाउंट बंद कर दिया। बिना पैसे के कांग्रेस ने चुनाव लड़ा। राहुल गांधी ने कार्यक्रम में जीएसटी वसूली का प्रतिशत भी समझाया। उन्होंने कहा कि यहां की 90 प्रतिशत आबादी जीएसटी देती है। हर सामान पर टैक्स वसूला जाता है। सौ रुपए यदि टैक्स में लिए जाते हैं तो 40 रुपए आम आदमी की जेब से निकलते हैं और 26 रुपए सबसे बड़ी कंपनियों से आते हैं। सबसे गरीब लोग 60 प्रतिशत से ज्यादा जीएसटी देते हैं। सबसे अमीर 10 प्रतिशत लोग जीएसटी का तीन प्रतिशत देते हैं। हिन्दुस्तान का 40 प्रतिशत धन एक प्रतिशत लोगों के पास है। सबसे गरीब 50 प्रतिशत लोगों के पास एक प्रतिशत धन है। सबसे गरीब की आमदनी जोड़ देंगे तो पूरी आमदनी करीब 13 प्रतिशत बनती है। यह सिर्फ संविधान पर आक्रमण नहीं हो रहा। आपसे चोरी की जा रही है। राहुल ने कहा कि बेरोजगारी फैल रही है। महंगाई बढ़ रही है। सामाजिक एक्स-रे का माध्यम जाति जनगणना है। हम जानना चाहते हैं कि इस देश में पिछड़े वर्ग के कितने लोग हैं। दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और गरीब जनरल कास्ट के कितने लोग हैं। हिन्दुस्तान की संस्थाओं में किसकी कितनी हिस्सेदारी है। इन संस्थाओं पर किसका कंट्रोल है। इसलिए मैं जातीय जनगणना की मांग कर रहा हूं लेकिन मोदी नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि जो करना है कर लो। आज नहीं तो कल जातिगत जनगणना होकर रहेगा। जिस 90 प्रतिशत को मिटाया जा रहा है, उस 90 प्रतिशत में बहुत शक्ति है। आपके पास मीडिया, जूडिशियरी, ब्यूरोक्रेसी नहीं है लेकिन आपके पास सच्चाई है। रांची में आयोजित इस संविधान सम्मान सम्मेलन में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा के अलावा कई नेता मौजूद थे।

जिरिबाम के एक ...

गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों पर जबरन वसूली और नुकसानदेह गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि दोनों आरोपियों के पास से दो दोपहिया वाहन, तीन मोबाइल फोन और 7,600 रुपए नकद बरामद किए गए। मणिपुर डीएसपी राजीव सिंह ने कहा कि यह बहुत चुनौती से भरा समय है, लेकिन हम इससे निपटने का प्रयास कर रहे हैं और सभी के साथ सहयोग कर रहे हैं। यहां कुछ परेशानी है, जिन्हें पर ठीक कर रहे हैं। हम भी शांति चाहते हैं। काफी नुकसान हुआ है, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। पिछले डेढ़ साल में चीजों में सुधार हुआ है। हिंसा और मौतों की संख्या कम हुई है। आगजनी और गोलीबारी की छिटपुट घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सुरक्षाबल सतर्क हैं। हर कोई यह देखने में लगा हुआ है कि कुछ भी न बिगड़े। मैं दोनों समुदायं से अनुरोध करूंगा कि वे बात करके समाधान निकालें। इस समस्या का एकमात्र समाधान दोनों समुदायों के बीच शांतिपूर्ण बातचीत है। हम एक नागरिक अनुकूल बल हैं। वहीं मणिपुर में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने जिरीबाम जिले में बोडोबेकरा थाना पर हमला किया है। पुलिस ने बताया कि जिरीबाम जिले के बोडोबेकरा अनुमंडल में जाकुरधोर स्थित बोडोबेकरा पुलिस थाने पर कुकी उग्रवादियों ने हमला किया है। सुबह करीब 5:35 बजे हुए संदिग्ध उग्रवादियों ने थाना पर कई राउंड फायरिंग की और विस्फोटक फेंके। जानकारी के अनुसार केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और मणिपुर पुलिस के सुरक्षाकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की। हालांकि, उग्रवादी भाग निकले। घटना के बाद पूरे इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। हमले से जुड़े लोगों का पता लगाने के लिए अतिरिक्त इकाइयों को तैनात किया गया है।

जम्मू-कश्मीर को राज्य ...

ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट पहचान और लोगों के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा नव-निर्वाचित सरकार की नीति का आधार बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस संबंध में प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों से मिलने के लिए आने वाले दिनों में नई दिल्ली जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि मंत्रिमंडल ने 4 नवंबर को श्रीनगर में विधानसभा सत्र बुलाने का भी फैसला किया है और उपराज्यपाल को विधानसभा सत्र बुलाने और उसे संबोधित करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि पहले सत्र की शुरुआत में उपराज्यपाल द्वारा विधानसभा को संबोधित करने का मसौदा भी मंत्रिपरिषद के समक्ष रखा गया था, जिस पर परिषद ने फैसला किया कि इस पर आगे विचार किया जाएगा और चर्चा की जाएगी। उधर, राजनीतिक दलों ने शुक्रवार को अनुच्छेद 370 पर नहीं बल्कि केवल राज्य के दर्जे पर प्रस्ताव को पूरी तरह आत्मसमर्पण और सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस के रुख से अवगत कराया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), पीपुल्स कांफ्रेंस (पीसी) और अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) सहित विभिन्न राजनीतिक दलों ने इस कदम की निंदा की और नेशनल कांफ्रेंस को 5 अगस्त, 2019 से पहले (अनुच्छेद) 370-35ए और राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रयास करने के अपने चुनावी वादे की याद दिलाई और कहा कि यह चुनाव पूर्व रुख से विचलन है।

मेरा बेटा माफी ...

शामिल है, जो सलमान खान को नुकसान पहुंचाने की योजना बना रहे थे। पुलिस के अनुसार, सुक्खा ने वीडियो कॉल के जरिए पाकिस्तान में एक हथियार डीलर डोगर से संपर्क किया था। इस बातचीत में उसने एके-47 और अन्य बड़े हथियारों की डील की शर्तों पर चर्चा की। इस बीच सलमान खान और उनके परिवार को मिल रही जान से मारने की धमकियों के संदर्भ में उनके पिता सलीम खान ने यह दावा किया है कि उनके बेटे ने काले हिरण का शिकार नहीं किया है। सलीम खान ने कहा कि यह मामला गलतफहमी पर आधारित है और उनके बेटे ने ऐसा कुछ नहीं किया। एक इंटरव्यू में सलीम खान ने कहा कि मेरे बेटे सलमान खान ने आज तक कॉकरोच तक नहीं मारा, इसलिए वह काले हिरण की हत्या कैसे कर सकता हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सलमान के पास कभी भी बंदूक नहीं थी और उनका परिवार हिंसा में विश्वास नहीं करता। सलमान जानवरों से बहुत प्यार करता है और वह किसी भी जानवर की हत्या नहीं कर सकता। सलीम खान ने यह भी बताया कि लोग सलमान खान से माफी मांगने की बात कर रहे हैं, लेकिन सलमान माफी नहीं मांगेगा क्योंकि उसने कोई गुनाह नहीं किया है। इसके अलावा सलीम खान ने बाबा सिद्दीकी की हत्या पर भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस हत्या का सलमान खान से कोई संबंध नहीं है, जब सलीम खान से पूछा गया कि बाबा सिद्दीकी की हत्या ने उनके परिवार पर क्या असर डाला, तो उन्होंने कहा कि बाबा सिद्दीकी मेरे दोस्त थे। हम मिलते थे। वह एक बहुत अच्छे इंसान थे और उन्होंने बहुत से लोगों की मदद की थी। उनकी मौत का अफसोस हुआ है, लेकिन अब हम क्या कर सकते हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री ...

आवास को लेबनान से ड्रोन के जरिये निशाना बनाया गया। तीन ड्रोन इजरायल पर हमले के लिए भेजे गए। आईडीएफ ने कहा कि आज सुबह हिजबुल्लाह ने हाइफा और उत्तरी इजराइल पर 55 आग्नेय हथियार दागे। इस कारण हजारों नागरिकों को सुरक्षित स्थानों में शरण लेनी पड़ी। हिजबुल्लाह के अल मनार टीवी के अनुसार, इससे पहले शुक्रवार तड़के इस्लामिक प्रतिरोध के ऑपरेशंस रूम ने बयान जारी कर इजराइल के साथ सैन्य टकराव के बढ़ने की घोषणा की। बयान में कहा गया कि लड़ाई में इजराइली सेना को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। लेबनान-फिलिस्तीन सीमा के पास जमीनी अभियान की शुरुआत के बाद से इजराइल दुश्मन ने सैकड़ों टैंक और सैन्य वाहनों के साथ 70,000 से अधिक अधिकारियों और सैनिकों वाले पांच सैन्य डिवीजनों को तैनात किया है। इसके विपरीत इस्लामिक प्रतिरोध के सैकड़ों लड़ाके दक्षिण लेबनान के गांवों में किसी भी इजराइली जमीनी घुसपैठ का मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।

युद्ध समाप्त करने ...

अपने बलबूते इतनी सटीकता के साथ हथियारों को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा कि यह सब नाटो पेशेवरों द्वारा किया जाता है। लेकिन आप जानते हैं कि फर्क क्या है। नाटो हमारे खिलाफ युद्ध लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि रूसी सेना दुनिया की सबसे अधिक प्रभावी और उच्च तकनीक वाली सेनाओं में से एक बन गई है और नाटो हमारे खिलाफ यह युद्ध लड़ते-लड़ते थक जाएगा। पुतिन ने एक दुभाषिया के माध्यम से विदेशी पत्रकारों के एक समूह से कहा कि हम बढ़त हासिल करेंगे। हम जीतेंगे। रूसी नेता ने शांति वार्ता की इच्छा व्यक्त की और यूक्रेन पर पहले के प्रयासों से पीछे हटने का आरोप लगाया। कुछ सप्ताह पहले अपने वक्तव्य में पुतिन ने कहा था कि रूस इस मुद्दे पर भारत, चीन और ब्राजील के संपर्क में है।

एआई का सफलतापूर्वक...

तकनीकी विकास के साथ खुद को अपडेट रखने की आवश्यकता है, जिससे बेहतर होते मानकों को पूरा किया जा सके, जिसमें मिशन कर्मयोगी मददगार साबित हो सकता है। उन्होंने नई सोच और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने नए विचार प्राप्त करने के लिए स्टार्टअप, शोध एजेंसियों और युवाओं से मदद लेने का उल्लेख किया। उन्होंने विभागों से फीडबैक तंत्र की व्यवस्था करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने आईजीओटी प्लेटफॉर्म की सराहना की और कहा कि इस प्लेटफॉर्म पर 40 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों ने पंजीकरण कराया है। 1400 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं और अधिकारियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में 1.5 करोड़ से अधिक प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थान अलग-अलग काम करने को मजबूर होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने उनके बीच साझेदारी और सहयोग बढ़ाने की कोशिश की है। उन्होंने प्रशिक्षण संस्थानों से संचार के उचित चैनल स्थापित करने, एक-दूसरे से सीखने, चर्चा करने और वैश्विक स्तर के सर्वोत्तम तौर तरीकों को अपनाने तथा समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि मिशन कर्मयोगी की शुरुआत सितंबर 2020 में की गई थी, जिसका उद्देश्य वैश्विक दृष्टिकोण के साथ भारतीय लोकाचार पर आधारित भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवा की कल्पना करना था।

छत्तीसगढ़ में आईईडी ...

की संयुक्त पार्टी अपने अभियान के लिए धुरबेड़ा की ओर रवाना हुई थी। आज दोपहर संयुक्त टीम के अभियान से वापसी के दौरान करीब 12 बजे के मध्य ग्राम कोडलियर के समीप जंगल में आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से आईटीबीपी 53 बटालियन के दो जवान 36 वर्षीय अमर पनवार निवासी महाराष्ट्र और 36 वर्षीय के. राजेश निवासी कडप्पा, आंध्र प्रदेश बलिदानी हो गए जबकि नारायणपुर जिला पुलिस के दो जवान घायल हुए हैं। नारायणपुर जिला पुलिस के घायल दोनों जवानों की हालत सामान्य है। इन जवानों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की गई है। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हमले के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन बढ़ा दिया है और नक्सलियों की खोजबीन शुरू कर दी है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने आईईडी विस्फोट की पुष्टि करते हुए बताया कि आईटीबीपी 53 बटालियन के 2 जवानों का बलिदान हो गया है जबकि नारायणपुर पुलिस के 2 जवान घायल हो गए हैं, घायल जवानों की हालत सामान्य है। इन घायल जवानों के संबध में बाद में जानकारी देने की बात कही है।

ईसी ने झारखंड के ...

कार्रवाई के आधार पर यह फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार से अपने निर्देशों का पालन करने और शनिवार शाम सात बजे तक एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। साथ ही इससे संबंधित अधिसूचना भी जारी किया गया है। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार से सोमवार सुबह दस बजे तक पद के लिए विचार किए जाने वाले सीनियर आईपीएस अधिकारियों का एक पैनल भेजने को भी कहा है। गौरतलब है कि बीते 26 जुलाई को झारखंड सरकार ने 1990 बैच के आईपीएस अनुराग गुप्ता को सरकार ने झारखंड का प्रभारी डीजीपी बनाया था। इससे संबंधित अधिसूचना गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने जारी की थी। इससे पहले चुनाव आयोग के निर्देश पर रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री को हटाया जा चुका है। उनके स्थान पर वरुण रंजन को रांची का डीसी बनाया जा चुका है। राज्य सरकार की ओर से डीजीपी अनुराग गुप्ता को हटाने से संबंधित अभी कोई पत्र जारी नहीं किया गया है।

लुमडिंग में संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से इंजन हुआ अलग

गुवाहाटी (हिंस)। आज पूर्वोत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का इंजन चलते समय ट्रेन के बाकी हिस्सों से अलग हो गया। जानकारी के अनुसार, इंजन डिब्बों से अलग हो गया, जिससे डिब्बे ट्रैक पर ही रह गए और इंजन आगे बढ़ गया। अचानक इंजन के अलग होने से यात्री दहशत में हो गए। गाड़ी में सिलचर से दिल्ली तक के यात्री सवार थे। घटना के संदर्भ में पूछे जाने पर पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के किशोर शर्मा ने हिंदुस्थान समाचार को बताया कि ऐसा नहीं था कि चलती हुई गाड़ी का इंजन गाड़ी से अलग हो गया था। उन्होंने कहा कि लुमडिंग जंक्शन पर गाड़ियों का लोको बदला जाता है। लोको बदले जाने के तुरंत बाद इंजन अलग हुआ। तुरंत ही इसे जोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि इस कारण गाड़ी कुल 16 मिनट लेट हुई। यानी 16 मिनट के अंदर अटैच कर इसे फिर से रवाना कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इस घटना को कुछ बढ़ा चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। ज्ञात हो कि इंजन के अलग होने के बावजूद किसी भी प्रकार की दुर्घटना नहीं हुई। यह घटना लुमडिंग जंक्शन के पास हुई। इंजन अलग होते ही रेलवे अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई की। रेलवे अधिकारियों ने इंजन अलग होने की इस घटना को गंभीरता से लिया है और भविष्य में इससे सीख लेकर लेकल लोको बदलने में अतिरिक्त सावधानी बरती जाएगी। इसी बीच, इस घटना को लेकर ट्रेन में सवार यात्रियों में कुछ देर के लिए दहशत पैदा हो गया। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। उल्लेखनीय है कि 17 अक्तूबर को भी डिमा हसाओ में अगरतला एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतर गई थी। हालांकि, इस घटना में भी कोई हताहत नहीं हुआ था। फिर भी एक के बाद एक हो रही इस प्रकार की घटनाओं से सीख लेने की जरूरत है।

नकली सोना की नाव के साथ दो शातिर ठग गिरफ्तार

कोकराझार (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के गोसाईगांव में पुलिस ने एक अभियान चलाते हुए दो शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। नकली सोने की नाव के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार दोनों ठग 1.5 किग्रा से अधिक से निर्मित नकली सोना की बेचने आए थे। गोसाईगांव में बेचने के लिए आए लखीमपुर के कुरजत अली को पुलिस ने गिरफ्तार किया। नकली सोना व्यापारी के सहयोगी अचर उद्दीन शेख को भी गिरफ्तार किया गया। महाराष्ट्र के अकोला से आए दो युवक, आशीष राजू चावरे और गौरव गिरीमकर सोना खरीदने आए थे। सोना देने के लिए इन युवकों से 2 लाख 50 हजार रुपए सापकाटा निवासी फिरदौस नामक व्यक्ति ने लिया है, जो फिलहाल फरार है। पुलिस फरार फिरदौस की तलाश में जुटी हुई है।

कठियातली में ड्रग्स के साथ महिला समेत चार तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले की कठियातली पुलिस ने बड़ी मात्रा में ड्रग्स के साथ-साथ ड्रग्स तस्करी के मामलों में शामिल चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। अभियान का नेतृत्व एसआई रंजीत गोगोई ने किया। शनिवार को कठियातली पुलिस ने बताया है कि बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने रेंगबेंग में हाईवे 36 पर छापा मारा और नगांव की तरफ आ रहे लग्जरी वाहन (एएस-02क्यू-8904) से प्लास्टिक की आठ साबुनदानी में छुपाकर लाए गए मादक पदार्थ को जब्त किया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान ड्रग्स के साथ एक महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान रफीकुल इस्लाम, शफीकुल इस्लाम, रबुल इस्लाम और सुल्ताना बेगम के रूप में की गई है। गिरफ्तार तस्कर के पास से आठ साबुनदानी में छिपाकर रखी गई 113 ग्राम हेरोइन, एक कार, 4360 रुपए नकद और मोबाइल हैंडसेट बरामद किए गए। पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ कर रही है।

ग्वालपाड़ा से अपहृत लड़की को पुलिस ने उदालगुड़ी से बचाया

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा से अपहृत एक युवती को पुलिस ने उदालगुड़ी से बचा लिया। ज्ञात हो कि दो दिन पहले युवती का अपहरण कर लिया गया था। युवती को उदालगुड़ी जिले के हरिशिंगा से बचा लिया गया है। पुलिस से आज मिली जानकारी के अनुसार ग्वालपाड़ा टाउन के कर्बला स्थित निजी अस्पताल अलसलाम में एक साल से कार्यरत अंजिला राभा कर्बला में किराए पर मकान लेकर रह रही थीं। लड़की का 17 मई को उस समय अपहरण कर लिया गया था, जब वह अस्पताल जा रही थी। अपहरण के बाद लड़की की रिहाई के बदले 20 लाख रुपए की मांग की गई थी। यह मांग लड़की की मां से अपहरणकर्ताओं ने फोन पर की थी। इसी बीच, अगवा की गई लड़की को ग्वालपाड़ा पुलिस ने उदालगुड़ी के हरिशिंगा से बचा लिया। ग्वालपाड़ा पुलिस ने आज तड़के हरिसिंगा में छापा मारकर युवती को बचाया। पुलिस अपहरणकर्ताओं की तलाश कर रही है।

कोकराझाड़ में भाषा गौरव सप्ताह की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

कोकराझार (हिंस)। आगामी भाषा गौरव सप्ताह (3 से 9 नवंबर तक निर्धारित है) के संदर्भ में आज कोकराझाड़ के जिला आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता आयुक्त मासंदा पर्टिन ने की, जिसमें एडीसी कबिता डेका और जितुराज गोगोई, गोसाईगांव एसडीओ (सी) मृदुल शिवहरे, पर्बतझोरा एसडीओ (सी) देवज्योति गोगोई, सर्कल ऑफिसर, बीटीसी शिक्षा निदेशक, बीडीओ और अन्य प्रमुख हितधारक उपस्थित थे। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल हुए। आयुक्त ने उन्हें कोकराझाड़ जिले के भीतर इस आयोजन की सटीक योजना और क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में भाषा गौरव सप्ताह को असमिया, जो असम की संपर्क भाषा है, के साथ राज्य की अन्य स्वदेशी भाषाओं का सम्मान करने के अवसर के रूप में मनाने के महत्व पर जोर दिया गया। इस सप्ताह भर चलने वाले आयोजन में असमिया और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में चर्चाएं, सेमिनार, कार्यशालाएं और अन्य गतिविधियां शामिल होंगी, जिनका उद्देश्य सांस्कृतिक एकता और भाषाई गर्व को बढ़ावा देना है। सभी नागरिक समाज संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों (विश्वविद्यालय, कॉलेज और स्कूल), राज्य सरकार के कार्यालयों, असम साहित्य सभा और उसकी शाखाओं, अन्य साहित्य सभाओं, पुस्तकालयों और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों से सक्रिय रूप से भाग लेने की उम्मीद है। यह आयोजन जनता को अपने विचार और विचार सोशल मीडिया प्लेटफार्मों जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब और थ्रेड्स पर साझा करने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा। बैठक में यह भी रेखांकित किया गया कि भाषा गौरव सप्ताह को एक यादगार और समावेशी उत्सव बनाने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है।

सिलचर सर्किट हाउस पर तैनात संतरी ने की खुदकुशी

कछार (हिंस)। सिलचर सर्किट हाउस पर तैनात संतरी ने खुदकुशी कर ली है। कछार के पुलिस अधीक्षक नोमल महता ने सूचना दी है कि आज दोपहर लगभग 02:30 बजे उन्हें सूचना मिली कि सिलचर सर्किट हाउस में संतरी की ड्यूटी के लिए तैनात लाइन (एबी) 149 ईश्वर सिंह (51, करीमगंज) अपनी ड्यूटी देने के बाद सर्किट हाउस में अपने रेस्ट रूम में गए और अपनी सर्विस बंदूक से खुद को गोली मार ली। वरिष्ठ अधिकारियों सहित पुलिस दल तुरंत मौके पर पहुंचा और उन्हें सिलचर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (एसएमसीएच) भेजा, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के संदर्भ में मृतक के परिवार के सदस्यों को सूचित कर दिया गया। शव की जांच जारी है।

शिमला में सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, दो घायल

बरपेटा (हिंस)। शिमला के जलाह में हुए एक सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि दो अन्य सवार घायल हो गए। पुलिस ने आज बताया कि बाइक सवार का नियंत्रण खो गया, जिससे बाइक सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। बाइक पर तीन लोग सवार थे। स्थानीय लोगों ने तीनों ही बाइक सवारों को ले जाकर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल ले जाते समय एक बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान बजाली के बदनकुची निवासी निशांत दास (25) के रूप में हुई है। जबकि दो युवकों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। तीनों युवक शिमला में आयोजित लक्ष्मी पूजा उत्सव देखकर घर लौट रहे थे, जब यह दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई। शिमला पुलिस मौके पर पहुंची और बाइक (एएस-15एबी-0765) को थाने ले आई। मृतक के शव को पहले पाठशाला थाने में रखा गया, जिसे बाद में पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

पानी में तैरता युवक का शव बरामद

ग्वालपाड़ा (हिंस)। जिले के दोमनी में एक अज्ञात शव की बरामदगी को लेकर आज सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि दुधनई-कृष्णाई नदी पर बने दोमनी पुल से कुछ दूरी पर मछुआरों ने आज पानी में तैरते हुए एक युवक का शव देखा। मछुआरों ने स्थानीय लोगों को इसकी सूचना दी। स्थानीय लोगों ने मरनै थाना में इसकी सूचना दी। पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए ग्वालपाड़ा सिविल अस्पताल भेज दिया। अंतिम सूचना मिलने तक शव की पहचान नहीं हो सकी थी।

पूसीरे चार डीजल स्पेशल जॉयराइड टॉय ट्रेनों का करेगा परिचालन

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने पीक सीजन के दौरान यात्रियों की भीड़ को देखते हुए 21 अक्तूबर से 05 दिसंबर तक प्रतिदिन दार्जिलिंग और घूम के बीच दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) की टॉय ट्रेन सेवा के तहत चार डीजल स्पेशल जॉयराइड ट्रेन के परिचालन का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल डीएचआर में इस पीक सीजन के दौरान हजारों स्थानीय और विदेशी पर्यटक आते हैं। इन जॉयराइड विशेष सेवाओं के परिचालन से पहाड़ों की खूबसूरती का आनंद लेने के उनके अनुभव में इजाफा होगा। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि ट्रेन संख्या 02547 (दार्जिलिंग- घूम- दार्जिलिंग) डीजल स्पेशल जॉयराइड दार्जिलिंग से 09:20 बजे प्रस्थान कर घूम 10:05 बजे पहुंचेगी। अपनी वापसी यात्रा पर, यह ट्रेन घूम से 10:25 बजे प्रस्थान कर दार्जिलिंग 10:55 बजे पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 02548 (दार्जिलिंग- घूम- दार्जिलिंग) डीजल स्पेशल जॉयराइड दार्जिलिंग से 11:25 बजे प्रस्थान कर घूम 12:10 बजे पहुंचेगी। अपनी वापसी यात्रा पर, यह ट्रेन घूम से 12:30 बजे प्रस्थान कर दार्जिलिंग 13:00 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02549 (दार्जिलिंग- घूम- दार्जिलिंग) डीजल स्पेशल जॉयराइड दार्जिलिंग से 13:25 बजे प्रस्थान कर घूम 14:10 बजे पहुंचेगी। अपनी वापसी यात्रा पर, यह ट्रेन घूम से 14:35 बजे प्रस्थान कर दार्जिलिंग 15:05 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02550 (दार्जिलिंग- घूम- दार्जिलिंग) डीजल स्पेशल जॉयराइड दार्जिलिंग से 15:30 बजे प्रस्थान कर घूम 16:15 बजे पहुंचेगी। अपनी वापसी यात्रा पर, यह ट्रेन घूम से 16:35 बजे प्रस्थान कर दार्जिलिंग 17:05 बजे पहुंचेगी। सभी डीजल स्पेशल जॉयराइड्स 03 प्रथम श्रेणी चेयर कार कोच के संयोजन के साथ चलेंगी। दो कोच में 30 सीटें और एक कोच में 29 सीटें होगी।

हाउली पुलिस ने किया दो गोमांस व्यापारियों को गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा के हाउली में अवैध गोमांस कारोबारियों के खिलाफ पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाया। पुलिस कार्रवाई में दो अवैध गोमांस व्यापारियों को गिरफ्तार किया गया। हाउली के बरबाला बाजार में छापेमारी के दौरान पुलिस ने दोनों गोमांस कारोबारियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए दोनों की पहचान बरबाला गांव के हलीम मुल्ला और शाहिदुल इस्लाम के रूप में हुई है। दोनों लंबे समय से बरबाला बाजार में अवैध रूप से गोमांस का कारोबार चला रहे थे। दोनों व्यापारी विशेष रूप से चोरी से गायों को मारकर गोमांस व्यवसाय चलाते थे। आरोप है कि कई बार उन्होंने गाभिन (गर्भवती) गायों को मारकर छल से ग्राहकों को गोमांस खिलाया।

रंगिया में आग में घर जलकर राख

कामरूप (हिंस)। रंगिया के कररा गढ़ के अंदर लगी भीषण आग में एक घर जलकर राख हो गया। पुलिस ने आज बताया कि दमयंती बसुमतारी नामक महिला के घर के साथ ही घर का सारा सामान आग में पूरी तरह जल गया। लोगों ने घर को आग की लपटों में बीती रात घिरते देख तत्काल ही इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। फायर ब्रिगेड ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पा लिया, लेकिन तबतक महिला का घर जलकर राख हो चुका था। बताया गया है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी।

होटल मिलेनियम में *कामाक्षी* का आयोजन 21 को

गुवाहाटी। आठगांव स्थित होटल मिलेनियम में आगामी 21 अक्तूबर को कामाक्षी नामक एक दिवसीय एग्जीबिशन का आयोजन किया जाएगा। तीन युवा महिला उद्यमियों द्वारा गठित कामाक्षी व लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी टाइम्स के सहयोग से किया जाएगा। कामाक्षी की संस्थापक रेखा दम्मानी, कल्पना राका व संजना भटेरा ने बताया कि आगामी दीपावली के मौके पर इस एक दिवसीय प्रदर्शनी सह-बिक्री का आयोजन किया गया है, जिसमें महिला उद्यमियों को एक मंच पर लाकर उन्हें प्रोत्साहित करना है। इस प्रदर्शनी से आय होने वाली राशि को विभिन्न सामाजिक कार्य सहित आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों की शिक्षा पर भी खर्च किया जाता है। इस प्रदर्शनी सह-बिक्री में परिधानों के अलावा आभूषण, उपहार, घरेलू साज-सज्जा की वस्तुएं सहित अन्य सामान उपलब्ध होंगे। देश के कई शहरों से महिला उद्यमी इस प्रदर्शनी में अपनी स्टॉल लगाएंगे। आयोजन को सफल बनाने में टीम कामाक्षी की सभी सदस्याएं जुटी हुई है।

कोकराझाड़ के जिला मजिस्ट्रेट ने अवैध ऑफलाइन और ऑनलाइन लॉटरी पर प्रतिबंध लगाया

कोकराझाड़ (विभास)। असम में ऑफलाइन और ऑनलाइन लॉटरी के अवैध आयोजन के संबंध में गुवाहाटी उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में, कोकराझाड़ के जिला मजिस्ट्रेट, मसंदा एम. पर्टिन ने जिले के भीतर ऐसी किसी भी लॉटरी के आयोजन पर रोक लगाने का औपचारिक आदेश जारी किया है। यह आदेश गुवाहाटी उच्च न्यायालय में दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) के बाद आया है, जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों में अनधिकृत लॉटरी संचालन पर चिंता जताई गई है। जनहित याचिका पर कार्रवाई करते हुए, न्यायालय ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी जिला आयुक्त और पुलिस अधीक्षक किसी भी लॉटरी के आयोजन की अनुमति न दें - चाहे वह ऑनलाइन हो या ऑफलाइन - और इस निर्देश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें। असम सरकार के गृह एवं राजनीतिक विभाग के निर्देशों के अनुसार, कोकराझाड़ के जिला मजिस्ट्रेट ने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों के तहत कोकराझाड़ जिले में किसी भी प्रकार की लॉटरी के आयोजन पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू है और अगले आदेश तक लागू रहेगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों पर कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला मजिस्ट्रेट ने सभी व्यक्तियों और संगठनों से आदेश का सख्ती से पालन करने और किसी भी अवैध लॉटरी गतिविधियों में शामिल होने से बचने का आग्रह किया है।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर जिला के नाग्रीजुली-रंगिया सड़क के ऊखाड़ी इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात डंपर की चपेट में आने से बाइक चालक संजय नर्जरी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके से चालक डंपर समेत फरार होने में सफल रहा। स्थानीय लोगों ने पुलिस पर घटना की जानकारी दी जाने के बावजूद भी डंपर को जब्त नहीं करने का आरोप लगाया है। पुलिस द्वारा लापरवाही बरते जाने को लेकर स्थानीय लोगों ने गांधीबारी पुलिस चौकी का घेराव कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। घटना की जानकारी मिलते ही जिला पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे। पुलिस लोगों को समझा-बुझकर स्थिति को शांत किया। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

एमवे इंडिया ने उपभोक्ता कल्याण और अपने वितरकों को समर्थन देने के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया

गुवाहाटी। उपभोक्ता और वितरक दोनों के हितों और कल्याण के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, स्वास्थ्य और कल्याण का समर्थन करने वाली अग्रणी कंपनियों में से एक एमवे इंडिया ने अपने उत्पादों की अनधिकृत बिक्री के बारे में हितधारकों को शिक्षित करने के लिए एक मजबूत जागरूकता अभियान शुरू किया। यह कदम उपभोक्ता संरक्षण के प्रति एमवे के समर्पण को पुष्ट करता है, यह सुनिश्चित करके कि उन्हें एमवे वितरकों या आधिकारिक एमवे वेबसाइट के माध्यम से खरीदे जाने पर प्रामाणिक एमवे उत्पाद और संबंधित लाभ मिलें। अनधिकृत बिक्री केवल प्रत्यक्ष बिक्री तक ही सीमित नहीं है। कई कंपनियां इस समस्या से जूझ रही हैं जहां उत्पादों को अक्सर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म या तीसरे पक्ष के विक्रेताओं जैसे अनधिकृत चैनलों के माध्यम से वितरित किया जाता है, जिससे उत्पाद की प्रामाणिकता और उपभोक्ता सुरक्षा कमजोर हो जाती है। उपभोक्ता सुरक्षा और उत्पाद अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में एमवे इंडिया अपने उपभोक्ताओं को संभावित रूप से नकली और हानिकारक उत्पादों से बचाने के लिए अनधिकृत बिक्री के खिलाफ सक्रिय रूप से लड़ रहा है। यह न केवल उपभोक्ताओं को जोखिम में डालता है बल्कि समर्पित एमवे वितरकों के विश्वास और कड़ी मेहनत को भी कमजोर करता है। कंपनी अनधिकृत बिक्री के खिलाफ शून्य सहनशीलता नीति का पालन करती है, जिसमें अनधिकृत बिक्री में शामिल वितरकों को निलंबित या समाप्त करने की सीमा तक स्पष्ट दिशानिर्देश और कार्रवाई शामिल है और यह सुनिश्चित करता है कि प्रामाणिक एमवे उत्पाद केवल एमवे-अधिकृत चैनलों के माध्यम से उपलब्ध हों। कंपनी दुकानों, सुपरमार्केट, दलालों, डीलरों या किसी अन्य तृतीय-पक्ष ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिक्री को सख्ती से प्रतिबंधित करती है और इन स्रोतों से उत्पादों की प्रामाणिकता या गुणवत्ता की गारंटी नहीं देती है। भारत में सभी एमवे उत्पादों पर उनकी प्रामाणिकता और गुणवत्ता की पुष्टि करने के लिए *केवल एमवे डायरेक्ट सेलिंग पार्टनर्स के माध्यम से बेचा जाता है* लेबल लगाया जाता है। आधिकारिक स्रोतों से खरीदारी करके, उपभोक्ताओं को किसी भी मुद्दे के लिए मनी-बैक गारंटी और अधिकृत वितरकों द्वारा प्रदान की गई आवश्यकता-आधारित सिफारिशों का लाभ द्वारा समर्थित विश्व स्तरीय उत्पाद गुणवत्ता का आश्वासन दिया जाता है।

संपादकीय

असम नागरिकता वैध

असम से जुड़े नागरिकता कानून की धारा 6-ए 'संवैधानिक' है। यह सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने 4-1 के बहुमत से फैसला लिया है। फैसला करीब 12 साल के बाद, 17 याचिकाओं पर, विचार करने के बाद लिया गया है। इस फैसले के बाद 1 जनवरी, 1966 और 25 मार्च, 1971 की अवधि के दौरान, भारतीय मूल के, जो बांग्लादेशी भारत में आए हैं और यहीं बसे हैं, उन्हें 'भारतीय' नागरिकता मिल जाएगी। हालांकि तारीखों को लेकर भी सवाल हैं कि असम और शेष भारत में प्रवेश करने वाले अवैध प्रवासियों को नियमित करने के लिए अलग-अलग तारीखें तय की गई हैं। ऐसा क्यों किया जाना चाहिए? बहरहाल 25 मार्च, 1971 के बाद असम में आने वाले विदेशियों को 'भारतीय' नागरिकता नहीं मिलेगी। 1970 और 1980 के दशक में असम 'विदेशी घुसपैठ' के मुद्दे पर उबलता रहा, आंदोलन तक छिड़ गए और हिंसा भी हुई। असम भारत के पूर्वोत्तर का सीमावर्ती राज्य है। अपनी संस्कृति, सामाजिक पहचान, विरासत और भाषा को सुरक्षित और संरक्षित रखने के मकसद से असमिया बिरादरी ने खासकर बांग्लादेशी प्रवासियों का विरोध किया। आशंकाएं जताई गईं कि असम की संस्कृति और आबादी के समीकरण तक बदल सकते हैं। मुस्लिम आबादी एक दिन बहुसंख्यक हो सकती है। असमिया लोगों का मताधिकार तक प्रभावित हो सकता है। भारत के संदर्भ में विभाजन के दाग आज भी कच्चे और ताजा हैं। अवैध प्रवास एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। 1985 में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी, असम सरकार और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के बीच एक तितरफा समझौता हुआ। प्रवास और प्रवेश की तारीखों को लेकर सहमति बनी और उसके बाद संसद में एक विधेयक पारित कर 'नागरिकता कानून' में नई धारा-6 ए- जोड़ी गई। संविधान पीठ के चार न्यायाधीशों, जिनमें प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई. चंद्रचूड़ भी शामिल थे, ने इस धारा को 'संसदीय विधायी समाधान' माना, लिहाजा धारा 6-ए को 'संवैधानिक' भी माना, लेकिन जस्टिस पारदीवाला का मानना था कि धारा 6-ए राजनीतिक समझौते को कानूनी मान्यता देने के लिए लाई गई थी। इस समझौते का मतलब सिर्फ नागरिकता प्रदान करना नहीं था। दरअसल यह असम के लोगों को शांत करने के लिए था कि ऐसे समावेश से राज्य में होने वाले चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मेरा मानना है कि धारा 6-ए की वैधता निर्धारित करते समय समझौते पर हस्ताक्षर करने वालों के मकसद को ध्यान में रखा जाना चाहिए। ऐसे में धारा 6-ए समय बीतने के साथ 'असंवैधानिक' हो गई है। जस्टिस सूर्यकांत का मानना है कि याचिकाकर्ता यह साबित नहीं कर पाए कि विदेशी प्रवासियों से असमिया संस्कृति, भाषा और सामाजिक पहचान पर कोई गंभीर प्रभाव पड़ा है। हमने यह दलील भी खारिज कर दी है कि 6-ए भेदभावपूर्ण, मनमानी धारा है। 1966 और 1971 की अवधि में आए प्रवासियों के लिए स्पष्ट परिभाषित शर्तें दी गई हैं। बहरहाल असम में इस कानून के लिए विशेष रूप से छात्रों ने छह साल तक प्रदर्शन किए थे। नतीजतन समझौता हुआ और संसद में कानून पारित किया गया। यदि यह व्यवस्था न की जाती, तो शायद बांग्लादेश से प्रवासियों की संख्या न थमती। गंभीर सवाल यह है कि यदि 1971 के बाद आए प्रवासियों को भी स्वीकार कर लिया जाता है, तो उससे क्या होगा? ऐसी उदारता घुसपैठ के लिए उकसा सकती है।

सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने 4-1 के बहुमत से फैसला लिया है। फैसला करीब 12 साल के बाद, 17 याचिकाओं पर, विचार करने के बाद लिया गया है। इस फैसले के बाद 1 जनवरी, 1966 और 25 मार्च, 1971 की अवधि के दौरान, भारतीय मूल के, जो बांग्लादेशी भारत में आए हैं और यहीं बसे हैं, उन्हें 'भारतीय' नागरिकता मिल जाएगी। हालांकि तारीखों को लेकर भी सवाल हैं कि असम और शेष भारत में प्रवेश करने वाले अवैध प्रवासियों को नियमित करने के लिए अलग-अलग तारीखें तय की गई हैं। ऐसा क्यों किया जाना चाहिए? बहरहाल 25 मार्च, 1971 के बाद असम में आने वाले विदेशियों को 'भारतीय' नागरिकता नहीं मिलेगी। 1970 और 1980 के दशक में असम 'विदेशी घुसपैठ' के मुद्दे पर उबलता रहा, आंदोलन तक छिड़ गए और हिंसा भी हुई। असम भारत के पूर्वोत्तर का सीमावर्ती राज्य है। अपनी संस्कृति, सामाजिक पहचान, विरासत और भाषा को सुरक्षित और संरक्षित रखने के मकसद से असमिया बिरादरी ने खासकर बांग्लादेशी प्रवासियों का विरोध किया।

फोग थार रेगिस्तान के अतिरिक्त उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी एशिया, उत्तरी अफ्रीका एवं दक्षिणी यूरोप आदि स्थानों पर भी पाया जाता है

कहीं किताबों का हिस्सा बनकर ही न रह जाए संकटग्रस्त पादप फोग

सुनील कुमार महला

आज बुजुर्ग ही राजस्थान के मेवा कहलाने वाले 'फोग' के विषय में जानते हैं, युवा पीढ़ी इस वनस्पति व इसके गुणों से अपरिचित है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि जाटों की एक प्रमुख गोत्र का नाम फोगाट है जो संभवत: नागवंशियों की संतान हैं जो फोग को अपना प्रतीक चिन्ह मानते थे। फोगाट जाट हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में पाए जाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि 'फोग' मरू क्षेत्र का या यूं कहें कि राजस्थान का मेवा कहलाता है, लेकिन आज झाड़ी या छोटे वृक्षनुमा 'फोग हमारे यहां' बहुत ही कम रह गये हैं।

राजस्थान में प्रसिद्ध तथा वर्तमान में लुप्तप्राय वनस्पति 'फोग' के बारे में आजकल की युवा पीढ़ी शायद ही 'फोग' झाड़ी के बारे में जानती होगी। इस वनस्पति के बारे में राजस्थान में कहा जाता है कि -'फोगला को रायतो, काचरी को साग, बाजरी की रोटी, जाग्या म्हारा भाग।' मतलब यह है कि फोग वनस्पति का रायता, काचरी की सब्जी और बाजरा की रोटी भाग्यवान मतलब नसीब वाले व्यक्ति को ही मिलती है। आज बुजुर्ग ही राजस्थान के मेवा कहलाने वाले 'फोग' के विषय में जानते हैं, युवा पीढ़ी इस वनस्पति व इसके गुणों से अपरिचित है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि जाटों की एक प्रमुख गोत्र का नाम फोगाट है जो संभवतः नागवंशियों की संतान हैं जो फोग को अपना प्रतीक चिन्ह मानते थे। फोगाट जाट हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में पाए जाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि 'फोग' मरू क्षेत्र का या यूं कहें कि राजस्थान का मेवा कहलाता है, लेकिन आज झाड़ी या छोटे वृक्षनुमा 'फोग हमारे यहां' बहुत ही कम रह गये हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि फोग थार के रेगिस्तान में भारत और पाकिस्तान में मुख्य रूप से पाया जाता है। फोग थार रेगिस्तान के अतिरिक्त उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी एशिया, उत्तरी अफ्रीका एवं दक्षिणी यूरोप आदि स्थानों पर भी पाया जाता है। फोग को स्थानीय लोग इसे 'फोगड़ा' कहते हैं और वनस्पति विज्ञान की भाषा में इसे केलिगोनम पॉलीगोनोइडिस के नाम से जाना जाता हैं। आज दूर-दराज के क्षेत्रों में यह पौधा देखने तक को नसीब नहीं होता या कम देखने को मिलता है। वैसे राजस्थान के बाड़मेर के बायतु क्षेत्र में, जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर, सीकर, चूरू, झुंझुनूं, सीकर आदि क्षेत्रों में फोग वनस्पति कहीं कहीं देखने को मिल जाती है। जैसलमेर के नाचना क्षेत्र में इसकी झाड़ियां विशेष रूप से पाई जाती हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि 60-70 के दशक में ये अच्छी संख्या में मौजूद थे। यह बहुत ही चिंताजनक है कि आज फोग आईयूसीएन की रेड डेटा बुक के संकटग्रस्त पादप की सूची में शामिल है। ईंधन एवं कोयले के लिए इसकी जड़ों के अत्यधिक दोहन के कारण आज थार रेगिस्तान में फोग की मात्रा लगातार घट चुकी है। फोग की लकड़ी की यह विशेषता होती है कि इसकी लकड़ी आग बहुत जल्दी पकड़ लेती है। यहां तक कि

गीली होने की स्थिति में भी यह आग जल्दी पकड़ लेती है, फोग के कम होने का कारण इसका जल्दी आग पकड़ना भी है। इसीलिए फोग पर राजस्थान में कहावत भी बनी है। कहां गया है कि -'फोग आलो ई बळै, सासू सूदी ई लड़ै।' मतलब यह है कि जिस प्रकार फोग की लकड़ी गीली होने पर भी आग पकड़ लेती है, उसी प्रकार सास सीधी हो तब भी अधिकारपूर्वक बहू को फटकार लगा ही देती है। सिट्टा यह है कि मौका मिलने पर असली स्वभाव उजागर हो ही जाता है। यह बहुत ही चिंताजनक है कि थार में अब बहुत कम फोग झाड़ियां देखने को मिलतीं हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि राजस्थान में स्थानीय भाषा में फोग को फोगाली, फोक तथा तूरनी आदि नामों से जाना जाता है। वास्तव में फोग पोलिगोनेएसी कुल का सदस्य है। यह सफेद व काली रंग की एक झाड़ी होती है, जिसमें अनेक शाखाएं होती है। यह अत्यंत शुष्क एवं ओस दोनों परिस्थितियों में जीवित रह सकने वाला पौधा है। इसमें उच्च पोषण क्षमता वाले अनेक पोषण तत्व पाए जाते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक होते हैं। यदि हम फोग के पोषक तत्वों की बात करें तो फोग में करीबन 18% प्रोटीन, 71.1% कार्बोहाईड्रेट, 9.1% रेशे, अल्प मात्रा में वसा, .7 मिलीग्राम/100 ग्राम विटामिन- बी-2 670 मिलीग्राम /100 ग्राम कैल्शियम, 420 मिलीग्राम/100 ग्राम फॉस्फोरस तथा 12.7 मिलीग्राम/100 ग्राम आयरन पाया जाता है। इसकी जड़ों, फूलों, कलियों तथा बीजों में फ़्लवोनोइडस, एल्केलोईडस, टेनिन, स्टेरॉयड, फिनॉल्स, टेर्पेनोईडस आदि पाए जाते हैं तथा कलियों में एथिल होमोवनिलेट (11.79%) नामक वसीय तेल तथा जड़ों में ड्रीमेनोल (29.42%) नामक वसीय तेल पाया जाता है। जानकारी देना चाहूंगा कि फोग के फलों और इसके फूलों में 18% प्रोटीन एवं 71 % से अधिक कार्बोहाइड्रेट की मात्रा पाई जाती है, जो ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है। फोग का पौधा अत्यंत सूखे और पाले दोनों ही परिस्थितियों में जीवित रह सकता है, और इसकी यही खासियत ही इससे थार के अनुकूल भी बनाती है। इसकी (फोग) तासीर ठंडी होती है और यदि किसी व्यक्ति को 'लू' लग जाए तो इसकी पत्तियों का रस निकालकर लू लगने व्यक्ति को पिलाने से वह तत्काल ठीक हो जाता है। इसकी पत्तियों का रस विष प्रतिरोधक माना जाता है। इसकी फलियों से निकलने वाले बीज की रोटी भी बनाई जा सकती है। इतना ही नहीं, फोग की पत्तियां मिट्टी की उर्वरता को भी बढ़ाती हैं। रेगिस्तान की विषम परिस्थितियों में उगकर यह उस क्षेत्र के पर्यावरणीय संतुलन में अहम भूमिका निभाता है। वैसे इसके पत्तियां नहीं होती हैं और टहनी ही इसकी पत्तियां कहलातीं हैं। चैत्र-फाल्गुन के महीने में या यूं कहें कि होली के आसपास इसके झाड़ीनुमा पेड़ पर गांठनुमा छोटे-छोटे फल आते हैं, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'फोगला' कहा जाता है, जिन्हें छाछ या दही में इस्तेमाल किया जाता है। वैसे, मास फरवरी - मार्च -अप्रैल में इसकी नयी पत्तियां फूटती हैं। इसके पुष्प गुलाबी रंग के होते हैं जो छोटे छोटे होते हैं तथा जिनको स्थानीय भाषा में 'रिमझर' बोलते हैं। इसके फूलों की महक लुभावनी होती है। कुछ लोग इसके फूलों को तैल में भूनकर भी खाते हैं। फोग की जड़ों को उबालकर कत्थे में मिलाकर इसे मसूड़ों से संबंधित बीमारी में इस्तेमाल किया जाता है। पश्चिमी राजस्थान में अधिकतर लुहार फोग की लकड़ी के कोयले का इस्तेमाल खाना बनाने में करते हैं। फोग का पौधा धीरे धीरे बढ़ता है और जमीन से एक से डेढ़ मीटर ऊंचा होता है। तने की लकड़ी मजबूत और रेशेदार होती है तथा फोग उन दुर्लभ वनस्पतियों में से एक है जो तेज गर्मी में भी बिना पानी के जिंदा रहती है। यह मिट्टी के अपरदन को रोकता है और मरूस्थलीय प्रसार को रोकने में मददगार है। ऊंट और बकरियां इसे बड़े चाव से खाते हैं और अन्य पशु भी इसे चारे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसकी लकड़ी आसानी से सड़ती-गलती नहीं है और प्राचीन समय में राजस्थान के जहाज कहलाने वाले ऊंट की नकेल इसी की लकड़ी से बनाई जाती थीं। आज बढ़ते शहरीकरण, अकाल के कारण फोग वनस्पति लुप्तप्राय प्रजाति की श्रेणी में पहुंच गई है।

दृष्टि कोण

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार से सबक नहीं सीखा

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के कारण देशभर में हुई बदनामी से सत्ता गंवाने के बावजूद सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस के केंद्र और ज्यादातर राज्यों से सत्ता बाहर होने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार रहा है। इसके बावजूद कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार से दामन नहीं छुड़ा पाए हैं। कर्नाटक कांग्रेस की सरकार के जमीनों में बंदरबांट इसका नया उदाहरण है। इसके चलते मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मारी गौड़ा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उल्लेखनीय है कि उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएन पार्वती और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ चल रहे भूमि घोटाले की जांच राज्य और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है। सिद्धारमैया और उनकी पत्नी बीएन पार्वती पर मैसूरु के विजयनगर क्षेत्र में 14 प्लॉट आवंटित किए गए प्लॉट को लेकर सवाल उठे थे। सिद्धारमैया की पत्नी ने प्लॉट लौटाने की पेशकश की थी जिसे वापस लेने पर प्राधिकरण ने सहमति जताई। मुख्यमंत्री के जमीन आबंटन में हेराफेरी की जांच के बीच मल्लिकार्जुन खडग़े ने कर्नाटक द्वारा आबंटित जमीन लौटा दी। यह विवाद मार्च 2024 में शुरू हुआ, जब कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने राहुल खडग़े की अध्यक्षता वाले सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को जमीन दी। विचाराधीन भूमि मल्लिकार्जुन खडग़े के बेटे राहुल एम. खडग़े को कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा बगलूर में हाईटेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क के हार्डवेयर क्षेत्र में आबंटित की गई थी। कांग्रेस का शायद ही ऐसा कोई वरिष्ठ नेता होगा जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप और मामले दर्ज नहीं किए गए हैं। पार्टी में कनिष्ठ से लेकर शीर्ष तक के नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वाली पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं। भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती रही है। पार्टी का कहना है कि बीजेपी की मोदी सरकार राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। करोड़ों की एंबुलेंस खरीद में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदम्बरम, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एए खान, श्वेता मंगल, शफी माथेर और निदेशक एनआरएचएम के विरुद्ध 2013 तक एनआरएचएम के तहत एंबुलेंस खरीदने में हुई धांधली का मामला दर्ज किया गया था। एंबुलेंस खरीदने के लिए जो टेंडर जारी किया गया, उसमें गड़बड़ी की गई थी। इस मामले में 31 जुलाई 2014 को जयपुर के अशोक नगर थाना पुलिस ने जयपुर नगर निगम के पूर्व मेयर पंकज जोशी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। कर्नाटक में कांग्रेस के दिग्गज नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का मामला चल रहा है। 2017 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डीके शिवकुमार के 64 ठिकानों पर जबरदस्त छापेमारी की थी। टैक्स चोरी की शिकायतों पर यह कार्रवाई हुई थी। उस दौरान डीके शिवकुमार व अन्य कांग्रेस नेताओं ने राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया था। इसी तरह हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह के खिलाफ भी केंद्रीय एजेंसियों ने जांच की। सितंबर 2015 में उनकी बेटी की शादी के दिन सीबीआई ने छापेमारी कर खलबली मचा दी थी। कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल पर इतालवी चॉपर कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से कमीशन लेने के आरोपों की सीबीआई आदि केंद्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी भी फंसे हैं। यह मामला अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी से 36 अरब रुपए के 12 वीआईपी हेलिकॉप्टर खरीदने से जुड़ा है। आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया इस वीआईपी चॉपर खरीद के पीछे अहम भूमिका निभा रही थीं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने इस मामले को पिछली मोदी सरकार में उठाया था, जिसके बाद घमासान मचा था। नेशनल हेराल्ड केस-2011 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता फंसे हैं। आरोप है कि कांग्रेस के पैसे से 1938 में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी खड़ी की गई।

कुछ अलग

खुदा डायरी न लिखवाए...

खुदा चाहे मुझसे कोई भी काम करवा ले, लेकिन खुदा कसम डायरी न लिखवाए। मैं हर उल्टा सीधा काम कर सकता हूं। नाक कटवा सकता हूं। किसी गरीब आदमी की जमीन अपने नाम करवा सकता हूं। लेकिन डायरी लिखने से डरता हूं। कहीं यह डायरी सीबीआई या किसी अन्य खुफिया एजेंसी के हाथ लग गई तो फिर मारे गए गुलफाम। भारतीय राजनीति में भी कई बार डायरी ने कहर ढाया है। दरअसल, हमारी राजनीति में दो ही चीजें सबसे खतरनाक हैं- एक विपक्ष और दूसरी डायरी! डायरी में चाहे हमने अपनी भावनाओं का इजहार किया हो या फिर गुप्त स्रोत से आए फंड का जिक्र किया हो, कई बार यही डायरी गले की फांस बन जाती है। निजी जीवन में भी खलल पैदा कर देती है और सार्वजनिक जीवन में बहस का मुद्दा बन जाती है। शादी से पहले हमने भी खूब डायरी लिखी थी और उसमें कई राज भी थे। लेकिन किसी दूसरी जगह शादी होने पर घोड़ी चढने से पहले हमने वह डायरी अग्नि भेंट कर दी थी ताकि न रहे बांस और न बजे बांसुरी। डायरी संभाल कर रखने का मतलब है, अपने लिए बांस तैयार रखना। भारतीय राजनीति में कई ऐसे मौके आए हैं जब डायरी ने कई नेताओं का भविष्य चौपट कर दिया और कईयों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। जब तक डायरी अलमारी में बंद रहती है, सब ठीक। पर जिस दिन अलमारी खुल गई, समझो कुर्सी भी खतरे में और इज्जत भी! राजनीति में कब किसकी डायरी लीक हो जाए, यह कोई नहीं जानता। एक बार एक मंत्री जी ने अपनी डायरी में बड़े ही चाव से लिखा : 'आज बड़े उद्योगपति से 'गुप्त' मुलाकात की। समझौता तो हुआ, पर जनता को इसकी भनक नहीं पडऩी चाहिए।' अगले ही दिन विपक्ष के हाथ वो डायरी लग गई। और फिर क्या था! विपक्ष ने वो गुप्त मुलाकात इतनी बार सदन में सुनाई कि मंत्री जी का गुप्त समझौता अब गली-गली में चर्चा का विषय बन गया। एक अखबार ने तो इस शीर्षक से संपादकीय तक लिख डाला कि 'डायरी राजनीति और मुसीबत का तडक़ा!' हमारे नेता सोचते हैं कि डायरी में लिखकर अपने 'खास' राज छुपा लेंगे। पर सच्चाई यह है कि राजनीति में डायरी से बड़ा कोई दुश्मन नहीं। एक बार किसी के हाथ लग जाए, तो आपकी सत्ता और सत्ता का सपना, दोनों मिट्टी में मिल सकते हैं। मैं तो जब भी किसी से रिश्वत के दो पैसे लेता हूं, तो उसे साफ हिदायत देता हूं कि कहीं गलती से मेरा नाम डायरी में मत लिख लेना। यानी मैं रिश्वत लेने को पाप नहीं समझता, लेकिन डायरी में नाम लिखने को महा पाप समझता हूं। भ्रष्टाचार के चाहे मैं करीब रहता हूं, लेकिन डायरी से लाख दूरी बनाकर रखता हूं। नए साल में कुछ लोग मुझे गिफ्ट के साथ साथ डायरी दे जाते हैं। मैं गिफ्ट तो संभाल कर रख लेता हूं, लेकिन डायरी कूड़ेदान के हवाले कर देता हूं। बुराई जितनी दूर रहे, उतना ही अच्छा। अब इधर एक राज्य की राजनीति में भी इन दोनों डायरी की खूब चर्चा हो रही है और सोशल मीडिया में भी चटकारे लिए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि जांच एजेंसियों के हाथ एक डायरी लगी है और वह डायरी जल्दी ही विस्फोट करने वाली है। सत्ता पक्ष के कई नेता टकटकी लगाए बैठे हैं कि विस्फोट हो और कुर्सी उन्हें मिल जाए। विपक्ष इसलिए टकटकी लगाए बैठा है कि विस्फोट हो और सत्ता उनके हाथ से चली जाए। यानी डायरी विस्फोट करेगी और पक्ष-विपक्ष दोनों इसमें अपना अपना हित देख रहे हैं। अपना भविष्य देख रहे हैं।

देश दुनीया से

विवादित बयानों के चक्रव्यूह में सियासत

सियासी रहनुमां की तकरीर में जहरीले बोल तथा जराफत भरे अंदाज का संगम नहीं होगा तो सियासी अंजुमन की आंखें उदास रह जाएंगी। चुनावी तशहीर में अपने मुखालिफ पर जुबान नहीं फिसलेगी या तोहमतों से भरे इल्जाम नहीं बरसेंगे तो सियासत की तबीयत नासाज हो जाएगी। इंतखाबी दौर में दहशतगर्दों की मौत का मातम नहीं मनाया जाएगा तो सियासत की तौहीन हो जाएगी। जम्हूरियत के महापर्व में यदि आब-ए-तल्ख की महफिल नहीं सजेगी तो सियासी बज्म का रंग फीका रह जाएगा। सियासी मुजाहिरों में यदि जाति, मजहब, आरक्षण, संविधान व पाकिस्तान का जिक्र नहीं होगा तो इंतखाब की तासीर बिगड़ जाएगी।

मुल्क के इंतखाबी दौर में यदि बेतुकी बयानबाजी नहीं होगी तो सियासी हरारत का एक मजमून अधूरा रह जाएगा। सियासी रहनुमां की तकरीर में जहरीले बोल तथा जराफत भरे अंदाज का संगम नहीं होगा तो सियासी अंजुमन की आंखें उदास रह जाएंगी। चुनावी तशहीर में अपने मुखालिफ पर जुबान नहीं फिसलेगी या तोहमतों से भरे इल्जाम नहीं बरसेंगे तो सियासत की तबीयत नासाज हो जाएगी। इंतखाबी दौर में दहशतगर्दों की मौत का मातम नहीं मनाया जाएगा तो सियासत की तौहीन हो जाएगी। जम्हूरियत के महापर्व में यदि आब-ए-तल्ख की महफिल नहीं सजेगी तो सियासी बज्म का रंग फीका रह जाएगा। सियासी मुजाहिरों में यदि जाति, मजहब, आरक्षण, संविधान व पाकिस्तान का जिक्र नहीं होगा तो इंतखाब की तासीर बिगड़ जाएगी। चुनावी दौर में तोहमतों की आंधी से उपजे इल्जाम भी आदर्श बन जाते हैं। उन्हीं आदर्श इल्जामों से सियासत का तवाजुन बिगाड़ कर सत्ता के बड़े खिलाडिय़ों को पटखनी दी जाती है। खोया हुआ जनाधार वापस लाने में जाति, मजहब व आरक्षण की बैसाखियां मददगार साबित होती हैं। दरअसल सियासी कश्तियों में यह कशमकश सत्ता की चौखट पर पहुंचने के लिए है। सत्ता के फलक पर बैठने के लिए अपने ही सियासी दल के खिलाफ विद्रोह या दलबदल को अंजाम देकर सियासी उलटफेर के मजमून लिखे जाते हैं। दुनिया के सबसे बड़े प्रजातंत्र भारत में जम्हूरियत की भाग्य विधाता आवाम है, लेकिन इख्तिदार हासिल होने के बाद सियासी रहनुमाओं के लफ्ज मगरूर हो जाते हैं। सत्ता की जद्दोजहद के लिए सियासी रहनुमाओं के बीच शब्दबाणों की जंग इंतखाबी दौर से लेकर जम्हूरियत की पंचायतों तक देखी व सुनी जा सकती है। सियासत की जुबानी जंग ने मर्यादा की सारी हदूद को तोड़ डाला है। एक सियासी रहनुमां के गैर-जिम्मेदाराना बयान तथा तल्ख तेवर अपने ही सियासी दल तथा समुदाय को उलझन में डाल देते हैं। न्यूज चैनलों पर दौरान-ए-गुफ्तगू में सियासी मुनाजिरों की अमर्यादित बयानबाजी से लोगों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाना आम बात हो चुकी है। बेतुके बयानों से सुर्खियां बटोरना जहां सियासत का मिजाज बन चुका है, तो वहीं विवादित बयानबाजी से लोगों की आस्था को आहत करके माजरत का इजहार करना सियासत का दांव बन चुका है। लेकिन इसके बावजूद लोग अपने बेशकीमती वोट की ताकत से सियासी रहनुमाओं को सत्ता के फलक तक पहुंचा कर लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं, जबकि सियासत किसी की रवादार नहीं होती। धोखा, फरेब, छल, कपट, विश्वासघात, तोहमत, साम, दाम, दंड, भेद जैसे गुण व अवगुण सियासत में समाहित होते हैं। सन्-1990 के दशक में देश के सियासतदानों को चुनाव आयोग की ताकत का एहसास कराने वाले दबंग चुनाव आयुक्त रहे 'टीएन शेषन' ने हिंदोस्तान की सियासत तथा सियासी रहनुमाओं के चरित्र में आ रही गिरावट को अपनी पुस्तक 'भारत पतन की ओर' में तफसील से बयान करके सियासी निजाम के भविष्य पर चिंता जाहिर की थी। टीएन शेषन द्वारा सियासत के मुस्तकबिल पर किया गया आकलन वर्तमान में सही साबित हो रहा है। विवादित बयानबाजी के जरिए देश के महान विचारकों, दार्शनिकों, सेना तथा स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की जाती हैं। चुनावी दौर में हेट स्पीच के मामलों पर चुनाव आयोग को नेताओं के चुनावी प्रचार पर रोक लगानी पड़ती है। 'कारण बताओ नोटिस' जारी किए जाते हैं। सियासतदानों की हिकारत भरी बयानबाजी तथा अपमानजनक टिप्पणियों पर देश की अदालतें चेतावनी जरूर पेश करती हैं, मगर चुनाव आयोग की नसीहत व अदालतों की चेतावनी को बयानवीर अनसुना कर देते हैं। सियासी रसूख के आगे सभी व्यवस्थाएं बौनी साबित हो रही हैं। कुदरत के अनमोल तोहफा जुबान से निकले अल्फाज यदि विनम्र लहजे में हों तो एक औषधि का काम करते हैं। अन्यथा लफ्जों के कोई हाथ या पांव नहीं होते बल्कि तीरनुमा तीखे लफ्जों से उपजे गहरे घाव एक मुद्दत गुजर जाने के बाद भी नहीं भरते। बेशक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सियासी मुस्तकबिल को महफूज रखने के लिए वोट बैंक ही मायने रखता है। मगर आपत्तिजनक व हिकारत भरी बयानबाजी से आम लोग, निर्वाचन आयोग व देश की अदालतें भी परेशान हो चुकी हैं। यदि अपने सियासी स्वार्थों के लिए नफरत भरी तकरीरों से लोगों के जज्बात आहत किए जाएंगे या सियासी मफाद के लिए मर्यादा व नैतिक आचरण को ताक पर रखकर लोगों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई जाएगी, तो जम्हूरी निजाम अस्थिरता की जद में आ जाएगा। 'सत्यानृता च परुषा प्रियवादिनी च', हिंस्रा दयालुरपि चार्थपरा वदान्या। नित्यव्यया प्रचुरनित्यधनागमा च वारांग्नेव नृपनीतिरनेकरूपा। अर्थात सियासत कभी सच, कभी झूठ, कभी कठोर, कभी प्रियवादिनी, कभी हिंसात्मक, कभी दयालु, कभी लालची, कभी उदार, कभी खर्चीली, तो कभी धन संचय करने वाली वेश्या की भांति अनेक रूप धारण करने वाली होती है।

आप का नजरीया

पाठ्यक्रम-परीक्षा के अलावा भी

शिक्षा के जिस नजरिए की जरूरत है, उसे गुणवत्ता की शर्तों पर पारंगत करना होगा और यही संदेश लेकर सुक्खू सरकार कोशिश कर रही है। शिक्षा के पैमाने राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन में हिमाचल को 21वें स्थान तक लुढक़ा देते हैं, तो यह पद्धति और प्रयत्न का निकम्मापन है, जो स्कूल की शाखाओं में सारी कोशिश को पस्त कर रहा है। खैर मर्ज का पता तो सालों से है, लेकिन ठीक करने में भी शंका है। यह शंका सियासी है क्योंकि अनावश्यक स्कूल खोलने की आदत ने सरकारों को तमाशबीन ही बना दिया। खुल जा सिम सिम की तर्ज पर स्कूल-कालेज बिना किसी दूरदृष्टि के खुलते गए और जहां विषय और पाठ्यक्रम मजबूरी बन गए। घर द्वार पर साक्षरता उपलब्ध कराई जा सकती है, शिक्षा को उचित वातावरण मुहैया नहीं करवाया जा सकता। यह सरकारी बनाम प्राइवेट स्कूल के बीच का अंतर भी नहीं है, क्योंकि वहां भी भविष्य के नाम पर वर्दी की चमक या गले में टाई ही लटक रही है। यह दीगर है कि प्रदेश में सीबीएसई व आईसीएसई पाठ्यक्रमों के स्कूल, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत स्कूलों से भिन्न परीक्षा परिणाम, अभिभावकों का स्वाभिमान और छात्रों के भविष्य में बदलाव ला रहे हैं। यह भी देखा जा रहा है कि विज्ञान, मेडिकल व इंजीनियरिंग की शिक्षा में हिमाचल का कुनबा निजी स्कूलों की दौलत बन रहा है, जबकि बाकी विषयों की फेहरिस्त में कई सरकारी स्कूल भी अपनी श्रेष्ठता का रुतबा कायम रख रहे हैं। गुणवत्ता न तो इमारतों से आएगी और न ही घोषणाओं से परिपूर्ण होगी, बल्कि यह अभिभावकों के विश्वास, छात्रों के अभ्यास और नए संकल्प के आगाज से ही संभव होगा, वरना विभागीय कसौटियां तो वार्षिक छुट्टियों के कैलेंडर में फंसी हैं या सारा साल शिक्षकों के तबादले में गुजर जाता है। एक अच्छे अध्यापक के साथ छात्र भी कुछ बरस गुजराना चाहता है। मसलन प्राथमिक शिक्षा के पांच साल, माध्यमिक शिक्षा के तीन साल या सीनियर सेकेंडरी के चार साल हों, वहां बच्चा एक पाठ्यक्रम के आदर्श अध्यापक में खोजता है। शिक्षा अब पाठ्यक्रम के समुद्र से हीरे खोजने की प्रतिस्पर्धा है, तो इसके लिए स्कूल-कालेज के एहसास में अध्यापक वर्ग का स्थायित्व जरूरी है। सोचना यह होगा कि अध्यापकों की ट्रांसफर पॉलिसी शिक्षा को उत्तीर्ण कर रही है या यह वर्ग अपनी असुरक्षा की भावना में इस रोग से ग्रसित होकर जुगाड़ का पाठ्यक्रम भी बना रहा है। जब तक अध्यापक को मतदाता मान कर उसके समर्थन या विरोध की सियासी भाषा तैयार होती रहेगी, उसका किरदार शिक्षा के काम नहीं आएगा। बेशक सरकारों ने प्रयास किए, योजनाओं ने शृंगार किए और पाठ्यक्रमों ने शिक्षा को आधार दिए, लेकिन ये कसौटियां कई स्तरों पर हारीं। पहला मुकदमा अभिभावकों की अदालत में हारा क्योंकि शिक्षा से निकलते करियर का विस्तार सरकारें नहीं कर पाईं। हम समझ नहीं पाए कि मेडिकल-इंजीनियरिंग से इतर करियर का कहीं स्कोप अन्य विषयों में भी है।

शिक्षा का व्यापार बनना देश के भविष्य के लिए कभी अच्छा नहीं : उपराष्ट्रपति

सीकर (हिंस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि शिक्षा का व्यापार बनना देश के भविष्य के लिए कभी अच्छा नहीं है। समाज को वापस देने और सेवा करने का काम आज एक व्यापार बन चुका है। मेरी मान्यता है कि शिक्षण संस्थाओं को आर्थिक रूप से संबल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आजकल बच्चों में विदेश जाकर पढ़ाई की नई बीमारी आई है। उन्हें सपना दिखता है कि वहां जाते ही तो स्वर्ग मिल जाएगा। कोई आकलन नहीं है कि किस संस्था में जा रहा है, किस देश में जा रहा है। बस एक अंधाधुंध रास्ता है कि मुझे विदेश जाना है। यहां तक की पेरेंट्स की काउंसिलिंग भी नहीं होती। धनखड़ शनिवार को शोभासरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के सिल्वर जुबली एनुअल फंक्शन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि एक जमाना था हमारे देश में नालंदा, तक्षशिला जैसे संस्थान थे, लेकिन बख्तियार खिलजी (तुर्क-अफगान) ने इन्हें बर्बाद कर दिया, हमारी संस्थाओं को नष्ट किया गया। अंग्रेज आए तो हमारी संस्थाओं की ताकत को कमजोर कर दिया। जो भारत पूरी दुनिया में ज्ञान का केंद्र था, वहां की संस्थाओं की जड़ काट दी गई। 19वीं शताब्दी में स्वामी विवेकानंद ने इन्हें वापस उजागर करने का प्रयास किया। अब समय आ गया है कि इस महायज्ञ में भारत को शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए हर कोई आहुति दे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि चिंतन और मंथन की आवश्यकता है। एजुकेशन एक तरीका था कि जिस समाज में हम रहते हैं, उसका ऋण कैसे वापस करें। अब एजुकेशन कमोडिटी बन गया है, जिसे फायदे के लिए बेचा जा रहा है। संस्था का पैसा संस्था में ही लगे और संस्था के विकास के लिए लगे। जो कॉरपोरेट हाउस संस्थाओं को नर्चर (पालन-पोषण) कर रहे हैं। वह हर साल सीएसआर फंड से इंफ्रास्ट्रक्चर और नए कोर्स की डील के लिए पैसा दे तो समाज के लिए बहुत अच्छा रहेगा। इंडस्ट्री का भी दायित्व है कि समय-समय पर वह भी संस्थाओं को नर्चर करने के लिए सीएसआर फंड का उपयोग करें। इनोवेशन और रिसर्च का सबसे बड़ा फायदा उद्योग को होता है। जो अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है और देश को दुनिया के सामने ताकत देता है। धनखड़ ने कहा कि आपको आश्चर्य होगा कि 18 से 25 साल के बीच के छात्र और छात्राएं विज्ञापन से प्रभावित हो जाते हैं। 2024 में 13.50 लाख स्टूडेंट्स विदेश गए। उनके भविष्य का क्या होगा, उसका आकलन हो रहा है। इसका देश पर कितना भार हो रहा है। छह बिलियन यूएस डॉलर फॉरेन एक्सचेंज में जा रहा है। अंदाजा लगाइए कि यदि यह हमारे संस्थाओं के इंफ्रास्ट्रक्चर में लगाया जाता तो हमारे हालात क्या होते? आज के हालात क्या है? हमारे समय के हालात बच्चे और बच्चियों को समझ में नहीं आ पाएंगे। आज हालात बहुत बेहतर हो चुके हैं। तब के हालात का वर्णन नहीं करना चाहता। आज कानून के सामने सब की समानता है। आज का जो शासन है वह पारदर्शिता का है, उत्तरदायित्व का है। इसमें भ्रष्टाचार के लिए कोई भी स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि चारों तरफ होप और पॉसिबिलिटी का माहौल है। भारत संभावनाओं से भरा एक देश है और दुनिया भारत का लोहा मान चुकी है। इंटरनेशनल मोनेटरी फंड, वर्ल्ड बैंक जो कुछ समय पहले भारत को सिखाते थे कि शासन व्यवस्था कैसे हो, वह आज भारत की प्रशंसा करते हुए नहीं थकते हैं।

गुरुग्राम : पहली ही बैठक में मंत्री राव नरबीर ने अफसरों को दिखाए तेवर

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा में मंत्री के रूप में 17 को शपथ, 18 को कार्यभार संभाला और 19 को गुरुग्राम में अधिकारियों को पहली ही बैठक में कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने तेवर दिखा दिए। गुरुग्राम की बदहाली पर उन्होंने अफसरों की खूब क्लास लगाई। साफ कह दिया कि भ्रष्टाचारियों का यहां काम नहीं। या तो यहां नरबीर रहेगा या आप लोग रहेगा। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह द्वारा शनिवार को लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक का एक वीडियो सामने आया। वीडियो में मंत्री राव नरबीर सिंह जिस तरह से अधिकारियों की क्लास लगा रहे हैं, वह अधिकारियों को बड़ा संदेश है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मंत्री अधिकारियों को साफ संदेश इस बैठक में दे गए। उन्होंने कहा कि कि कहां तक रोऊं आप लोगों को। अधिकारी बनके आते हो, लूट के गुड़गांव चले जाते हो। उन्होंने भ्रष्ट अधिकारियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि कोई अधिकारी पैसे लेगा, अंदर कराऊंगा और पैसे वसूल करूंगा। उन्होंने कहा कि किसी अधिकारी की शिकायत आ गई तो मेरे से बुरा कोई नहीं होगा। दीवाली तक का टाइम है। अपने आकाओं से बात कर लो। नरबीर सिंह से कोई बचाने वाला नहीं होगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि या तो नरबीर मंत्री रहेगा या आप लोग यहां रहोगे। ऐसा बर्दाश्त नहीं करूंगा। सब लोग गुड़गांव लूटने के लिए आए हो। कोई काम नहीं है तुम्हारा। गुड़गांव के हालातों का हवाला देते हुए राव नरबीर सिंह ने कहा कि-बुरा हाल कर दिया है गुड़गांव का। राव नरबीर सिंह के इन तेवरों को देखते हुए भ्रष्ट अफसरों की जड़ें हिलना स्वाभाविक है। कैबिनेट मंत्री के रूप में उनकी पहली ही बैठक में अधिकारियों को गुड़गांव के बुरे हालातों पर लताड़ लगाना और भ्रष्टाचार के लिए सीधे प्रहार करना चर्चा का विषय बना रहा। उनकी एक वीडियो मीडिया, सोशल मीडिया पर वायरल होती रही। लोगों भी रोज अधिकारियों को कोसते हैं। गुड़गांव में स्वच्छता का दिवाला निकला हुआ है। महीनों तक गंदगी सड़ती है। सड़कें टूटी हैं। किसी अधिकारी की जवाबदेही कभी तय नहीं हुई। ऐसे अनेक मुद्दे हैं, जो मंत्री बनने से पहले राव नरबीर सिंह के संज्ञान में थे। पावर नहीं होने के कारण वे इस पर कुछ नहीं कर पा रहे थे। अब कैबिनेट में मंत्री बनते ही वे फॉर्म में आ गए।

करवा चौथ : महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए रखेंगी निर्जला व्रत

जयपुर (हिंस)। पिया प्रेम व्रत है राखों, उत्सव पावन आयो रे, चरण पिया संसार म्हारों, पिया म्हारो प्यारो रे... सुहाग पर्व करवा चौथ का त्योहार रविवार को मनाया जाएगा है। करवा चौथ का त्योहार हिंदू रीति रिवाजों में कई मायनों में महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए सुबह से ही निर्जला व्रत रखती हैं और रात को चंद्रमा को अर्घ्य देकर ही अपना व्रत खोलती हैं। करवा चौथ को लेकर शहरों और कस्बों के बाजारों में इन दिनों काफी रौनक देखी जा रही है। महिलाएं करवाचौथ के लिए कपड़े, गहने, चूड़ियां और अन्य सामान की खरीदारी की जा रही है। करवा चौथ को लेकर कुंभकार भी जोर शोर से करवा बनाने के काम में जुटे हैं। कुंभकार सुरेश ने बताया की इस सुहाग पर्व पर सामान्य मिट्टी के करवे की तरह और कई डिजाइन के करवे मुख्य रूप से पसंद किए जाते है। इसकी तैयारियां जारी हैं। त्योहार के अवसर पर सैकड़ों की संख्या में तैयार किए गए हैं और बाजार में बीस रुपये से चालीस रुपये की कीमत में बेचे जा रहे हैं। इसके तहत पहले मिट्टी को साफ कर चाक पर हाथों से स्वरूप दिया जाता है। इसके पश्चात इसमें मिट्टी कलर करके ढांचा तैयार कर इसे आग की सहायता से भट्टी पर पकाया जाता है। पूरी तरह पकने के पश्चात इनमें सुंदर सुंदर रंग भरकर बाजार में बेचने के लिए तैयार किया जाता है। कुंभकारों का कहना है कि आमजन में देशी वस्तुओं के लिए भावना पुनरू जागृत होने से उनके उत्पाद की अच्छी मांग है। महिलाओं द्वारा रविवार को करवा चौथ पर गणेश जी और चौथ माता मंदिर में सुख-समृद्धि और पति की लंबी आयु की कामना की जाएगी। इसके साथ ही परिवार की महिलाओं के साथ गणेश जी और चौथ माता की कथा सुनेगी और चौथ माता की विधिवत पूजा-अर्चना की जाएगी। इस दौरान चौथ माता की ज्योत देखकर आरती कर पकवानों का भोग लगाया जाएगा। पूजा में मिट्टी और चीनी के करवे की भी पूजा कर सुहाग की वस्तुओं का दान भी किया जाएगा। सुहागिन महिलाओं ने चौथ माता की पूजा-अर्चना के बाद चांद का दीदार कर पति के हाथों पानी पीकर व्रत खोलेगी। इससे पहले रात्रि में चांद के दीदार के बाद चीनी मिट्टी के करवे की अदला-बदली करने के बाद बयाना दिया जाएगा, जिसमें सात पुरियां, गुलगुले, मिठाइयां आदि का चांद को अर्घ्य दिया जाएगा। वहीं सुहागिनें रात को सुहाग की तेरह वस्तु व तेरह करवे कलप कर उद्यापन किया जाएगा। इधर कुंवारी कन्या अच्छा के वर की मनोकामना के लिए व्रत रखेंगी। करवा चौथ के अवसर पर एक दिन पहले शहर के बाजारों में मिट्टी व चीनी के करवे की दुकानें सज गई।

पंजाब के डीजीपी ने आधी रात को लिया पुलिस नाकों का जायजा, परखी जमीनी हकीकत

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बीती रात राज्य के लुधियाना व खन्ना पुलिस जिलों में नाकों का निरीक्षण किया। डीजीपी यादव के साथ लुधियाना के पुलिस कमिश्नर कुलदीप चहल और डीसीपी ग्रामीण जसकिरनजीत सिंह तेजा भी मौजूद थे। डीजीपी के औचक निरीक्षण की जानकारी जैसे ही जिला पुलिस प्रशासन को मिली, तुरंत सड़कों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। हर चौराहे पर पुलिस कर्मियों ने नाकेबंदी कर दी। चंडीगढ़ रोड पर स्पेशल नाके पर वाहनों की चेकिंग चल रही थी। गौरव यादव ने वाहन चालकों से बातचीत करते हुए उनसे पूछा कि चेकिंग करवाते समय नाके पर कभी किसी पुलिस कर्मी ने गलत व्यवहार तो नहीं किया।

मणिपुर ब्यूटी ऑफ इंडिया, राजस्थान की कला और संस्कृति अपने आप में अनूठी : आईएएस एचएल गुईटे

बीकानेर (हिंस)। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2011 बैच के अधिकारी व राजस्थान सरकार के आयुक्त एवं विशेष सचिव, शासन, निशक्तजन विभाग एचएल गुईटे ने शनिवार को बीकानेर में कहा कि मणिपुर और राजस्थान की संस्कृति बिल्कुल अलग है। हालांकि मणिपुर छोटा राज्य है। वहां की और यहां की संस्कृति के बारे में हम शेयर करते रहते हैं। राजस्थान से भी कई अधिकारी वहां कार्यरत है जिन्हें मणिपुर कैडर मिला हुआ है। मणिपुर ब्यूटी ऑफ इंडिया है, तो राजस्थान की कला और संस्कृति अपने आप में अनूठी है। क्रॉस कल्चर एक्सचेंज करते रहते हैं। महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी (एमजीएसयू) द्वारा आयोजित भारतीय राजनीति विज्ञान परिषद के 61वें अधिवेशन में भाग लेने आए गुईटे ने हिंदुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि राजस्थान की विशिष्ट कला और संस्कृति के लिए राज्य को जाना जाता है। हाथ से बने उत्पाद यहां की एक प्रमुख विशेषता है। युवाओं को सीख देने के उद्देश्य से उन्होंने मेंटल रिलेक्शन (मानसिक स्वास्थ्य) के बारे में बात की और कहा कि हमारा मानसिक स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण है, स्वस्थ विकल्प कैसे चुनना है यह निर्धारित करने में मदद करता है। मेंटल रिलेक्शन ही हमारे जीवन के कई पहलूओं को प्रभावित कर सकता है। साथ ही विषय और अनुशासन (सब्जेक्ट डिसीप्लेन) दोनों ही सैद्धांतिक अभ्यास है। दोनों के कोम्बिनेशन से सफलता जरुर मिलेगी। सिविल सर्विस और एकेडमिक पर बात करते हुए आईएएस एचएल गुईटे ने यह भी कहा कि इन दोनों के बीच क्लोज रिलेशन है। उन्होंने यहां सेमीनार में स्टूडेंट और एकेडमिक पर्सन के रुप में प्रजेंट किया है और आईएएस के रुप में यदि रिप्रजेंट करते तो वो अलग तरह का प्रजेंटेशन होता है। एकेडमिक प्रजेंटेशन और आईएएस प्रजेंटेशन अलग तरह के होते हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान विश्वविद्यालय मीडिया प्रभारी व अतिरिक्त रजिस्ट्रार डा. बिट्टुल बिस्सा भी मौजूद थे।

दुबई से जयपुर आने वाली इंटरनेशनल फ्लाइट में मिली बम की धमकी

जयपुर (हिंस)। देशभर के एयरपोर्ट्स और फ्लाइट में बम की धमकी भरा ईमेल मिलने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार मध्य रात्रि एक और इंटरनेशनल फ्लाइट में बम की सूचना का ईमेल मिलने के बाद हड़कंप मच गया। पूरी चौकस सुरक्षा व्यवस्था के बीच जयपुर एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग करवा कर विमान की जांच की गई। हालांकि कोई भी संदिग्ध सामान नहीं मिला। जिसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली। जयपुर एयरपोर्ट थानाधिकारी संदीप बसेड़ा के अनुसार शुक्रवार मध्य रात्रि दुबई से जयपुर आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या नौ-196 में बम की धमकी भरा ईमेल दिल्ली हेडक्वार्टर को मिला था। यह सूचना जयपुर एयरपोर्ट को दी गई। जिसके बाद जयपुर एयरपोर्ट प्रशासन अलर्ट हो गया और भारी सुरक्षा के बीच दुबई से जयपुर आने वाली इंटरनेशनल फ्लाइट की लैंडिंग कराई गई। सुरक्षा बलों ने गहनता से विमान की जांच की, जिसमें संदिग्ध कुछ भी नहीं पाया गया।

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 10 की मौत

पटना (हिंस)। बिहार के तीन जिलों में बीते 24 घंटे में सड़क दुर्घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई। पहली घटना बांका जिला क्षेत्र के फूलडुबरी थाना क्षेत्र में बीती देर रात सड़क दुर्घटना में छह कांवड़ियों की मौत हो गई। दूसरी घटना सीतामढ़ी की है, जिसमें पिता और बेटी को जान गंवानी पड़ी जबकि आज सुबह हाजीपुर में खड़ी ट्रक में स्कार्पियो ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ने बांका में हुई 06 मौतों पर दुख जताया मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बांका जिले के फुल्लीडूमर थाना क्षेत्र के नगरडीह मोड़ के पास स्कार्पियो कार की चपेट में आने से 06 लोगों की हुयी मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्घटना काफी दु:खद है। मुख्यमंत्री ने घटना में घायल लोगों के समुचित इलाज का निर्देश दिया है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

शिक्षिका का अजूबा ज्ञान, हाथ पांव फूलना मुहावरे का अर्थ बताया समय पर दारू न मिलना

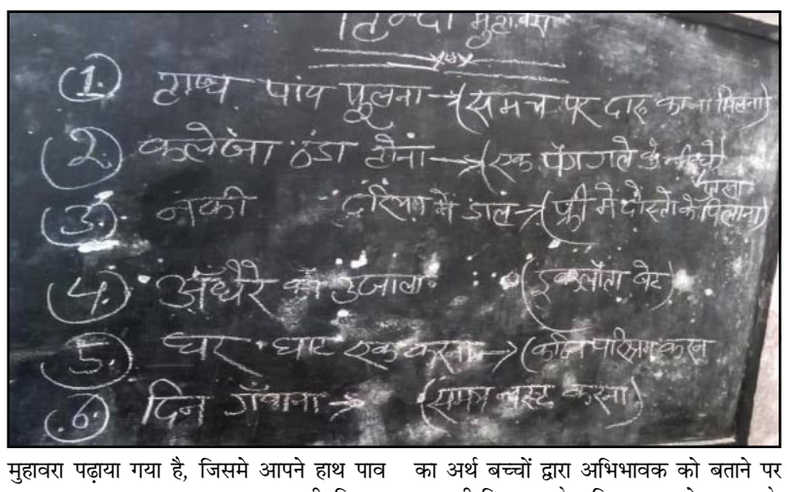

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले के एक शिक्षिका द्वारा बच्चों को पढ़ाने के क्रम में ब्लैक बोर्ड पर लिखे गए मुहावरा का फोटो सोशल मीडिया पर तेजी वायरल हो रहा है। शिक्षिका द्वारा मुहावरा में ब्लैक बोर्ड पर लिखे गए शब्दो में ज्यादातर में शराब का उदाहरण दिया गया है। जो शराबबंदी वाले राज्य में विवादो में घिर गया है। शिक्षिका ने लिखा है, कि हाथ पांव फूलना मतलब समय पर दारू का नही मिलना, कलेजा ठंडा होने का मतलब पैग गले के नीचे उतरना, नेकी कर दरिया में डाल मतलब, फ्री में दोस्तो को दारू पिलाना। अब ब्लैक बोर्ड पर लिखे उनके शब्दो का फोटो वायरल हो रहा है। लिहाजा उक्त फोटो वायरल होने के बाद पूरे शिक्षा विभाग में हडकंप है, वही डीईओ के निर्देश पर ढाका बीईओ ने शिक्षिका से स्पष्टीकरण की मांग की है। मामला ढाका प्रखंड के मध्य विद्यालय जमुआ का बताया जा रहा है। शिक्षिका से पूछे गए स्पष्टीकरण में लिखा गया है कि आपके द्वारा वर्ग 04 में बच्चो को हिंदी विषय पढ़ाया गया है। जिसमे बोर्ड पर मुहावरा पढ़ाया गया है, जिसमे आपने हाथ पाव फूलना मतलब समय पर दारू का नही मिलना कलेजा ठंडा होने का मतलब..पैग गले के नीचे उतरना नेकी कर दरिया में डाल का मतलब ...फ्री में दोस्तो को दारू पिलाना बताया गया है, जो शिक्षा विभाग की छवि को धूमिल कर रहा है। इस मुहावरे का अर्थ बच्चों द्वारा अभिभावक को बताने पर सरकारी विद्यालय के प्रति नफरत बढ़ेगा। आपके लिखे मुहावरे के अर्थ सोशल मीडिया पर भी फैल रहा है। जिससे आपके शिक्षक होने पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहा है। अत: 24 घंटे में अपने इस करतूत के संदर्भ में स्थिति स्पष्ट करे।

No. AYUSH.55146 7/3

EDUCATIONAL NOTICE

COUNSELING FOR SELECTION OF CANDIDATES FOR PROVISIONAL ADMISSION IN TO BHMS COURSE IN THE SUN HOMOEOPATHIC MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL, GUWAHATI-37 FOR THE SESSION 2024-25.

It is for general information of all eligible candidates of NEET-UG-2024 who submitted the **Declaration Form** for admission into BHMS course at **SJN Homoeopathic Medical College & Hospital, Guwahati-37** for the session 2024-25, that the counseling for selection of candidates for admission into BHMS course will be held on **26/10/2024 at 10.00 A.M. in SUN Homoeopathic Medical College & Hospital, Guwahati-37.** The candidates are to appear before the Selection Board for selection for provisional admission, subject to fulfillment of the eligibility criteria of the Government Ayurvedic College, Guwahati and Homoeopathic Medical Colleges of Assam (Regulation of Admission into BAMS/BHMS courses) Rules, 2020.

The eligible candidates must bring with them duly filled uo **APPLICATION FORM of Schedule-1** along with all relevant Annexure Certificates in original attached with the Application Form, Marks sheets of 10+2 (Sc.) examination, Admit Card of HSLC or equivalent examination, Pass Certificates of HSLC or equivalent examination, Pass Certificates of 10+2 (Sc.) or equivalent examination, PRC, Caste & other reserved category certificates, NCL if applicable, Admit Card and ocore Card of NEET(UG)-2024 and other relevant documents in original. A set of photo copies of all the said documents duly signed by the candidate himself/herself are to be submitted along with the Application Form at the time of counseling.

All candidates must appear personally for counseling on the scheduled dates and time failing which he/she will forfeit his/her merit position and no claim shall be considered later.

The candidate shall be required to deposit an amount of Rs. 500.00 (Rupees five hundred) only as counseling fee through Treasury Challan into State Exchequer under Head of Account "0210-03-102-Q0000-000-00-00-EE-V-GA". The copy of the deposit Challan (Original/Duplicate/Triplicate) must be submitted at time of Counseling.

The Selection will be made in accordance of merit position of the NEET UG-2024 as per the Admission Rules.

In case of any matter of controversy, the decision of the Selection Board shall be final and binding.

The following Candidates are called for Counseling :

1. General/Unreserved :
2. OBC/MOBC :
3. ScheduleCaste :
4. ScheduleTribe (Plain) :
5. ScheduleTribe (Hills) :
6. TGL/ExTGLQuota :
7. Divyanga(PWD) :
8. EWS :

} All the NEET-UG-2024 qualified candidates, who submitted the Declaration Form and eligible for admission In to BHMS course as per the Government Ayurvedic College, Guwahati and Homoeopathic Medical Colleges of Assam (Regulation of Admission into BAMS/BHMS courses) Rules, 2020.

ImportantNote:-

1. For OBC/MOBC (NCL) Category candidate:-
   I. They must submit the original Non-creamy layer (NCL) OBC/MOBC certificate issued by the D.C. of the concerned district.
   II. The annexure-III of the Application Form to be submitted by OBC/MOBC category candidate must clearly show the candidate belongs to Non-creamy layer.

In case of any controversy, the decision of the Selection Board shall be final and binding.

2. For Economically weaker section (EWS) Quota:-

The EWS certificate issued by the concerned authority must be submitted at the time of counseling for the said category candidates.

The **APPLICATION FORM** shall be available in the official website of Directorate of AYUSH,. Assam i.e. https://ayush.assam.gov.in). Further, the relevant notification (if any) and list of the selected candidates for admission into BHMS course will be published in the website https://ayush.assam.gov.in in due course of time. All the candidates are advised to visit the website accordingly.

-- Janasanyog /D/7627/24/20-Oct-24

Director of AYUSH, Assam
Dispur, Guwahati-06

सर्राफा बाजार में तेजी से पहली बार 79 हजार के पार पहुंचा सोना, चांदी भी लखटकिया होने के करीब

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोने की तरह चांदी ने भी जोरदार छलांग लगाई है। सोने की कीमत में 800 से 870 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु पहली बार 79 हजार रुपये के स्तर को पार कर गई है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,140 रुपये से लेकर 78,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 72 हजार का स्तर पार करके 72,560 रुपये से लेकर 72,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी ने भी करीब 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती दिखाई है। भाव में आई इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चांदी 99,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सर्वेः ब्याज दर 9 फीसदी से अधिक होने पर मकान खरीदारी पर पड़ेगा असर, वर्ष 2029 तक 1.04 लाख करोड़ डॉलर का आवासीय बाजार होगा

मुंबई । भारत की आर्थिक वृद्धि रियल एस्टेट क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही है। आवासीय बाजार हर साल 25.6 फीसदी की दर से बढ़ रहा है, जिसके 2029 तक बढ़कर 1.04 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि, इस वृद्धि में महंगे होम लोन बड़ी बाधा बन सकते हैं। एक मकान खरीदार धारणा सर्वेक्षण सर्वे में शामिल करीब 90 फीसदी उत्तरदाताओं का कहना है कि होम लोन के 9 फीसदी से अधिक होने पर मकान खरीदने पर उनको विचार करना पड़ सकता है। सर्वे में कहा गया है कि 71 फीसदी से अधिक लोग मानते हैं कि अगर ब्याज दर 8.5 फीसदी से कम रहती हैं, तो खरीदारी का फैसला प्रभावित नहीं होगा।54 फीसदी ने कहा कि ब्याज दर 8.5 फीसदी से 9 फीसदी के बीच होने पर उन्हें अपनी पसंद पर विचार करना पड़ेगा। करीब 98 फीसदी मकान खरीदारों की प्राथमिकता समय पर परियोजनाओं का पूरा होना है। 93 फीसदी लोग बेहतर निर्माण गुणवत्ता चाहते हैं, जबकि 72 फीसदी उत्तरदाता अच्छे हवादार मकान खरीदना चाहते हैं।59 फीसदी से अधिक लोगों के लिए रियल एस्टेट निवेश का पसंदीदा क्षेत्र है। 67 फीसदी से अधिक लोग खुद के इस्तेमाल के लिए मकान खरीदना चाहते हैं। 35 फीसदी से अधिक खरीदारों के लिए 45-90 लाख का बजट पसंदीदा विकल्प है। 28 फीसदी 1.5 करोड़ तक के मकान खरीदना चाहते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लगातार जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के भाव में शनिवार को कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा ।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट,10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर पर

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा। यह हाल के दिनों में मुद्रा भंडार में सबसे बड़ी गिरावट है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर रहा था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.54 अरब डॉलर घटकर 602.10 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 9.8 करोड़ डॉलर घटकर 65.66 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.34 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 2 करोड़ डॉलर घटकर 4.33 अरब डॉलर रहा।

देश में लैपटॉप आयात पर लगेगा प्रतिबंध , एप्पल जैसी कंपनियों को मिलेगा उत्पादन बढ़ाने का मौका

नई दिल्ली।
भारत में जनवरी के बाद लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर के आयात पर प्रतिबंध लग सकता है। इससे एप्पल जैसी कंपनियों को भारत में उत्पादन बढ़ाने को प्रोत्साहन मिलेगा। अगर यह योजना लागू होती है, तो भारत के आईटी हार्डवेयर बाजार की स्थिति बदल सकती है, जो अभी आयात पर काफी निर्भर है। पिछले साल भी इसी तरह की आयात पाबंदी लगाने की योजना बनाई गई थी, लेकिन कंपनियों के विरोध और अमेरिका के दबाव के कारण उसे वापस ले लिया गया था। तब से भारत आयात पर नजर रख रहा है, और अब कंपनियों से कहा गया है कि वे अगले साल के लिए आयात की नई अनुमति प्राप्त करें। सूत्रों के मुताबिक, सरकार का मानना है कि उसने इस उद्योग को बदलाव के लिए पर्याप्त समय दिया है। एक सूत्र ने बताया कि भारत सरकार अगले हफ्ते से सभी संबंधित पक्षों के साथ बातचीत शुरू करेगी। अगर जरूरत पड़ी, तो आयात प्रतिबंध लागू करने में कुछ महीनों की देरी हो सकती है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एक नई आयात मंजूरी प्रणाली पर काम कर रहा है, जिसके तहत कंपनियों को अपने आयात के लिए पहले से अनुमति लेनी होगी। फिलहाल, कंपनियां ऑनलाइन पंजीकरण के बाद जितने चाहें उतने लैपटॉप आयात कर सकती हैं। यह उद्योग एचपी, डेल, एप्प्ल, लेनोवो और सेमसंग जैसे बड़े ब्रांड्स के नियंत्रण में है और भारत की दो-तिहाई मांग आयात से पूरी होती है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा चीन से आता है। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक सरकार लैपटॉप, नोटबुक और टैबलेट के लिए अनिवार्य पंजीकरण आदेश के तहत न्यूनतम गुणवत्ता मानकों पर विचार कर रही है, ताकि खराब गुणवत्ता वाले उपकरणों को रोका जा सके। एक अधिकारी ने कहा कि हम इन प्रतिबंधों पर इसलिए काम कर रहे हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समझौते हमें लैपटॉप और टैबलेट पर शुल्क लगाने से रोकते हैं। इसलिए हमारे पास आयात को सीमित करने के लिए कुछ ही नीतियां बची हैं। फेडरल इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय ने इस मामले पर टिप्पणी से इनकार कर दिया। व्यापार मंत्रालय ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत के बाद आयात प्रबंधन प्रणाली पर उचित निर्णय लिया जाएगा।

कोटक महिंद्रा बैंक खरीदेगा स्टैंर्डड चार्टर्ड का भारत में पर्सनल लोन कारोबार

नई दिल्ली । कोटक महिंद्रा बैंक ने कहा है कि वह स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक का पर्सनल लोन कारोबार खरीदने पर विचार कर रहा है। इस सौदे के बाद यूके स्थित स्टैंडर्ड चार्टर्ड भारत में अपनी वेल्थ और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग पर फोकस करेगी। कोटक महिंद्रा बैंक के मुताबिक स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक का पर्सनल लोन बुक 30 सितंबर तक 4,100 करोड़ (488 मिलियन) का था। भारत का पर्सनल लोन बाजार मजबूत उपभोक्ता मांग के चलते काफी प्रतिस्पर्धी हो गया है। पिछले साल नवंबर में भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को पर्सनल लोन के लिए अधिक पूंजी रिजर्व रखने के निर्देश दिए थे, क्योंकि बढ़ती मांग के चलते जोखिम बढ़ने की आशंका जताई गई थी। इससे बैंकों के पर्सनल लोन की वृद्धि दर में कुछ गिरावट आई है, जो अगस्त में सालाना 17 फीसदी रह गई, जबकि एक साल पहले यह 18.3 फीसदी थी। कोटक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत का अनसिक्योर्ड लेंडिंग बाजार कोटक के लिए अधिक आय वाले ग्राहकों के बीच यह अच्छे ग्रोथ के मौके देता है। यह प्रस्तावित सौदा उन लोन पर आधारित है जो आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार अच्छे से चल रहे हैं और जिनमें डिफॉल्ट या संकट के कोई संकेत नहीं हैं। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के भारत और दक्षिण एशिया के वेल्थ और रिटेल बैंकिंग प्रमुख ने कहा कि हमने पर्सनल लोन कारोबार बेचने का फैसला इसलिए किया है ताकि बैंक वेल्थ, उच्च आय वर्ग और छोटे-मध्यम व्यवसायों में तेजी से ग्रोथ पर ध्यान दे सकें। उन्होंने यह भी बताया कि भारत स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बना रहेगा और बैंक यहां निवेश और ग्रोथ जारी रखेगा। कोटक ने कहा कि यह सौदा अगले तीन महीनों में पूरा होने की उम्मीद है, जो नियामक मंजूरी और अन्य शर्तों पर निर्भर करेगा।

धनतेरस पर की गई पूजा और खरीदारी से जीवन में सुख और समृद्धि आती है

मुंबई ।
धनतेरस एक ऐसा पर्व है जो हमें धन, स्वास्थ्य और खुशियों का संदेश देता है। इस दिन की गई खरीदारी केवल भौतिक समृद्धि नहीं बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक समृद्धि का भी प्रतीक है। धनतेरस पर की गई पूजा और खरीदारी से जीवन में सुख और समृद्धि का संचार होता है, जो हमें और हमारे परिवार को एक नई दिशा में आगे बढ़ाता है। धनतेरस पर खरीदारी करने की परंपरा और मान्यता दोनों हैं। सदियों से ये रीत चली आ रही है की दिवाली का आरंभ धनतेरस की शॉपिंग से होता है। देवी लक्ष्मी की तरह ही भगवान धन्वंतरि भी सागर मंथन से उत्पन्न हुए हैं। धनवंतरि जब प्रकट हुए थे तो उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था इसलिए इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परम्परा है। धनतेरस के दिन सोने और चांदी के बर्तन, सिक्के और आभूषण खरीदने की परम्परा रही है। सोना सौंदर्य में वृद्धि तो करता ही है, मुश्किल घड़ी में संचित धन के रूप में भी काम आता है। कुछ लोग शगुन के रूप में सोने या चांदी के सिक्के भी खरीदते हैं। यह भी कहा जाता है कि इस दिन धन (वस्तु) खरीदने से उसमें 13 गुणा वृद्धि होती है। लोग इस दिन ही दीवाली की रात पूजा करने के लिए लक्ष्मी व गणेश जी की मूर्ति भी खरीदते हैं। धनतेरस पर झाड़ू खरीदने से घर में धन को आकर्षित करने की क्षमता बढ़ती है। इसे अभिजीत मुहूर्त अथवा सूर्यास्त के बाद खरीद कर घर ले आएं। फाइनेंशियल कंडीशन को स्थिर करने हेतु नए झाड़ू पर सफ़ेद रंग का धागा बांधकर उपयोग में लाएं। पुरानी झाड़ू को आधी रात के बाद घर से बाहर निकालें। लोक मान्यता के अनुसार इस अवसर पर धनिया के बीज खरीद कर भी लोग घर में रखते हैं। ऐसी जनश्रुति है कि इस दिन सूखे धनिया के बीज खरीद कर घर में रखना भी परिवार की धन संपदा में वृद्धि करता है। दीवाली के बाद इन बीजों को लोग अपने बाग-बगीचों या खेतों में बोते हैं। ये बीज उन्नति व धन वृद्धि के प्रतीक होते हैं। बदलते दौर के साथ लोगों की पसंद और जरूरत भी बदली है। कुछ लोग धनतेरस के दिन विलासिता से भरपूर वस्तुएं खरीदते हैं तो कुछ जरूरत की वस्तुएं खरीद कर धनतेरस का पर्व मनाते हैं। वैश्वीकरण के इस दौर में भी लोग अपनी परम्परा को नहीं भूले हैं और अपने सामर्थ्य के अनुसार यह पर्व मनाते हैं। धनतेरस के दिन वाहन खरीदने का फैशन सा बन गया है।

सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात पिछले वित्त वर्ष में बढ़कर 205.2 अरब डॉलर पहुंचा: आरबीआई

मुंबई।
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों की विदेशी अनुषंगियों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं समेत देश का सॉफ्टवेयर सेवाओं का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 205.2 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं (आईटीईएस) के निर्यात पर आरबीआई के वार्षिक सर्वेक्षण 2023-24 से पता चलता है कि भारत का सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात (विदेशों में वाणिज्यिक उपस्थिति के माध्यम से उनकी बिक्री को छोड़कर) सालाना आधार पर 2.8 प्रतिशत बढ़कर 190.7 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका 54 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारतीय सॉफ्टवेयर निर्यात का प्रमुख गंतव्य रहा। उसके बाद यूरोप (31 प्रतिशत हिस्सेदारी) का स्थान था जिसमें ब्रिटेन की अहम मौजूदगी रही।सर्वेक्षण में 7,226 सॉफ्टवेयर निर्यात कंपनियों से संपर्क किया गया। इनमें से 2,266 कंपनियों ने जवाब दिए जिनमें अधिकांश बड़ी कंपनियां शामिल थीं। भाग लेने वाली कंपनियों की कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में लगभग 89 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। आरबीआई सर्वेक्षण कहता है कि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में कंप्यूटर सेवाओं का हिस्सा दो-तिहाई से अधिक था और आईटीईएस निर्यात में बीपीओ सेवाएं प्रमुख घटक रहीं।

भारत-मैक्सिको के बीच सहयोग संभावित रूप से और व्यापक हो सकता है: सीतारमण

वित्त मंत्री ने भारत-मैक्सिको व्यापार और निवेश शिखर सम्मेलन में भाग लिया

मैक्सिको सिटी/नई दिल्ली।
केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को भारत-मैक्सिको के बीच सहयोग संभावित रूप से व्यापक और बहु-क्षेत्रीय हो सकता है। निर्मला सीतारमण ने मैक्सिको सिटी में व्यापार एवं निवेश सहयोग को बढ़ावा देने पर आयोजित भारत-मैक्सिको व्यापार एवं निवेश शिखर सम्मेलन में को संबोधित करते हुए यह बात कही।
वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि दोनों देशों के बीच गहन तथा अधिक गतिशील सहयोग हो सकता है, जिसमें भारत विशेष रूप से फार्मा विनिर्माण तथा ऑटोमोटिव क्षेत्रों में विकास तथा निवेश के लिए जबरदस्त अवसर प्रदान कर रहा है। भारत की राजनीतिक स्थिरता, एक बड़े कुशल कार्यबल और बढ़ते बुनियादी ढांचे पर जोर देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि संयुक्त प्रयास विविधीकरण के जरिए लचीलेपन को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से सेमीकंडक्टर, मुद्रित सर्किट बोर्ड, पीसीबी और अन्य उच्च तकनीक वाले इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे महत्वपूर्ण घटकों के लिए है।

इस व्यापार एवं निवेश शिखर सम्मेलन का आयोजन भारतीय व्यापार एवं वाणिज्य परिषद, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा मैक्सिको में भारतीय दूतावास और आर्थिक मामलों के विभाग के सहयोग से किया गया। सम्मेलन में मैक्सिको सिटी की आर्थिक विकास मंत्री मनोला जाबोल्जा अल्दामा, मैक्सिको राज्य के लिए लॉरा गोंजालेज के साथ-साथ सीआईआई के पूर्व अध्यक्ष रामचंद्रन दिनेश और कॉन्सेजो कोऑर्डिनेटर एम्प्रेसरियल के अध्यक्ष फ्रांसिस्को सर्वेंट्स डियाज भी उपस्थित थे। इसके अलावा आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, ऑटोमोटिव क्षेत्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों के करीब 250 निवेशकों तथा व्यवसायिक कर्मियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

अशनीर ग्रोवर का भारत-पे से अब कोई संबंध नहीं रहेगा

समझौता पत्र पेश किए जाने के बाद याचिका वापस लेने की अनुमति मिली

नई दिल्ली ।
भारतपे के को-फाउंडर अशनीर ग्रोवर ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में दायर अपनी याचिका को फिनटेक कंपनी के साथ समझौते के बाद वापस ले लिया है। ग्रोवर ने पहले बोर्ड पर दबाव डालने और गलत प्रबंधन (मिसमैनेजमेंट) का आरोप लगाते हुए याचिका दाखिल की थी। एनसीएलटी ने 14 अक्टूबर 2024 को 30 सितंबर 2024 का समझौता पत्र पेश किए जाने के बाद ग्रोवर को याचिका वापस लेने की अनुमति दी। गौरतलब है कि ग्रोवर के वकील ने ट्रिब्यूनल के सामने समझौता पेश कर याचिका वापस लेने की अपील की थी। एनसीएलटी के आदेश में कहा गया कि दोनों पक्षों के बीच समझौता हो चुका है, इसलिए अशनीर को याचिका वापस लेने की अनुमति दी जाती है और मामला समाप्त कर दिया गया है। इसके बाद, 17 अक्टूबर को अशनीर ग्रोवर ने नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल से भी अपनी याचिका वापस ले ली, जिसमें उन्होंने एनसीएलटी मामले की जल्दी सुनवाई की मांग की थी। पहले दायर याचिका में ग्रोवर ने खुद को फिर से भारत पे का एमडी बहाल करने और रेसिलिएंट इनोवेशन के बोर्ड द्वारा किए गए बदलावों को अवैध घोषित करने की मांग की थी। उन्होंने कंपनी का ऑडिट कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा कराने और अपनी पत्नी माधुरी जैन को फिर से नौकरी पर बहाल करने की भी अपील की थी, जिन्हें कंपनी के बोर्ड ने हटाया था। समझौते के तहत अब अशनीर ग्रोवर का भारत से कोई संबंध नहीं रहेगा। उनके शेयर एक पारिवारिक ट्रस्ट द्वारा संभाले जाएंगे, जबकि कुछ शेयर कंपनी के फायदे के लिए रेसिलिएंट ग्रोथ ट्रस्ट को ट्रांसफर किए जाएंगे। अशनीर ग्रोवर को मार्च 2022 में एमडी पद से हटा दिया गया था, जिसके बाद उनके और कंपनी के बीच लंबी कानूनी लड़ाई शुरू हो गई थी। इस समझौते के साथ ही उनकी सभी कानूनी विवादों का अंत हो गया है, और ग्रोवर ने आधिकारिक रूप से भारत पे से खुद को अलग कर लिया है।

भारत के पेट्रोकेमिकल सेक्टर 2025 तक 300 अरब डॉलर हो जाएगा: हरदीप पुरी

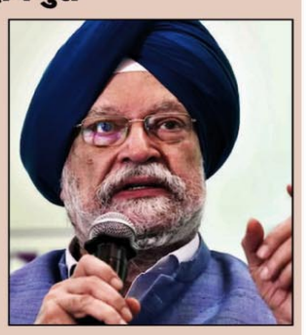

नई दिल्ली । भारत का केमिकल और पेट्रोकेमिकल सेक्टर 2025 तक बढ़कर 300 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। वर्तमान समय में यह 220 अरब डॉलर है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाल ही में यह बयान दिया। इंडिया केम 2024 के दौरान पेट्रोकेमिकल पर गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2040 तक केमिकल की मांग लगभग तीन गुना होने का अनुमान है और भारत की पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। केमिकल इंडस्ट्री भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग 6 प्रतिशत है और इससे 50 लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में अगले दशक में 87 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश आने का अनुमान है, जो वैश्विक पेट्रोकेमिकल वृद्धि का 10 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है। भारत में केमिकल की वार्षिक खपत 25 से 30 मिलियन टन है, जो कि प्रति व्यक्ति हिसाब से दुनिया के विकसित देशों से काफी कम है। इस कारण से केमिकल सेक्टर में विकास की प्रबल संभावनाएं हैं। वैश्विक स्तर पर भारत दुनिया का छठा और एशिया में तीसरा सबसे बड़ा केमिकल उत्पादक देश है। भारत की ओर से केमिकल का निर्यात 175 से अधिक देशों को किया जाता है। पुरी ने इस बात पर जोर दिया कि केमिकल और पेट्रोकेमिकल वैश्विक तेल मांग में वृद्धि को बढ़ावा देंगे, भारत की एकीकृत पेट्रोकेमिकल क्षमता इसकी विस्तारित शोधन क्षमताओं से निकटता से जुड़ी हुई है।

आईएसएल : ईस्ट बंगाल पर दबदबा बरकरार रखने उतरेगा मोहन बागान सुपर जायंट

कोलकाता।
सिटी ऑफ जॉय विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (साल्ट लेक स्टेडियम) में एक और प्रतिष्ठित कोलकाता डर्बी का गवाह बनने जा रहा है, जब मोहन बागान सुपर जायंट सुपर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल पर दबदबा बरकरार रखने के लिए उतरेगा।

दोनों क्लबों को इस आईएसएल सीजन में की शुरुआती चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। ईस्ट बंगाल एफसी अकेली टीम है जो अपने चारों मैच हारी है, जबकि मैरिनर्स ने आक्रामक कौशल दिखाया है लेकिन वे अब तक खेले चार मैचों में सात गोल खाकर रक्षात्मक रूप से लडखड़ा रहे हैं।

मोहन बागान मोहम्मडन एससी पर 3-0 की जीत के बाद मैदान पर उतरेगा। स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना का लक्ष्य इस सीजन में पहली बार लगातार जीत और क्लीन शीट पाना होगा।

मोहन बागान ने 2024 में अपने 12 घरेलू आईएसएल मैचों में से प्रत्येक में गोल दागा है, उनमें से 11 मैचों में कम से कम दो गोल किए हैं। उन्होंने 2024 में साल्ट लेक स्टेडियम में 29 गोल किए हैं।

वहीं, ईस्ट बंगाल एफसी मैरिनर्स के खिलाफ अपने पिछले आठ आईएसएल मुकाबलों में जीत से दूर है और हर मुकाबले में कम से कम दो गोल खाए हैं। रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड अभी भी सीजन की अपनी पहली जीत की तलाश में है।

मोहन बागान सुपर जायंट के स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना ने मोहम्मडन स्पोर्टिंग के खिलाफ हालिया जीत पर विश्वास जताया है, और आश्वासन दिया कि मैच में क्या होगा, अब वो ही मायने रखता है।

उन्होंने कहा, हमने कुछ दिनों तक आराम किया। अब, हमारे खिलाड़ी पूरी तरह से तैयार हैं। मेरा मानना है कि हम पिछले मैच के बाद अच्छी स्थिति में हैं। लेकिन अब, महत्वपूर्ण मैच है और हमारा ध्यान उसी पर केंद्रित है।

ईस्ट बंगाल एफसी के रणनीतिकार बिनो जॉर्ज ने इस सीजन में मजबूत टीम तैयार करने के लिए प्रबंधन की सराहना की।

उन्होंने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम अपनी योजनाओं पर टिके रहेंगे। प्रबंधन ने इस बार एक अच्छी टीम बनाई है। अब बतौर कोच योजना बनाना हमारा काम है। हम अपना 100 प्रतिशत देंगे।

न्यूज ब्रीफ

एशिया-पैसिफिक एमेच्योर टीम चैंपियनशिपः कार्तिक सिंह के प्रदर्शन से भारत 8वें स्थान पर पहुंचा

है फोंग। भारतीय गोल्फर कार्तिक सिंह के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत एशिया-पैसिफिक एमेच्योर टीम चैंपियनशिप में भारत आठवें स्थान पर रहा। कार्तिक ईवन पार 72 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत स्पर्धा में दसवें स्थान पर रहे,जबकि रोहित (77) और अनंत सिंह अहलावत (76) दोनों संयुक्त 25वें स्थान पर रहे। कार्तिक ने पांच बर्डी और पांच बोगी तथा दस पार के साथ शानदार प्रदर्शन किया और सप्ताह के लिए कुल 2-अंडर स्कोर किया। यह एक और बेहतरीन प्रदर्शन था और वह भारतीय गोल्फ संघ द्वारा उन पर जताए गए भरोसे को सही साबित कर रहा है। वियतनाम व्यक्तिगत और टीम प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान पर है। गुयेन एनह मिन्ह ने वियतनाम को ऐतिहासिक जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विंपर्ल है फोंग में चार दिनों के दौरान, एनह मिन्ह ने विश्व एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग में 84वें स्थान पर रहते हुए 57 खिलाड़ियों के बीच सर्वोच्च रेटिंग वाले खिलाड़ी के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को बनाए रखा। 71, 67, 71 और समापन 67 के राउंड के साथ, एनह मिन्ह ने 12-अंडर कुल 276 के स्कोर के साथ समापन किया। उन्होंने पूरे सप्ताह केवल तीन बोगी की, दो पहले दिन और एक राउंड तीसरे में। व्यक्तिगत स्टैंडिंग में, वे दूसरे स्थान पर रहने वाले ऑस्ट्रेलियाई डेक्लान ओ'डोनोवन से दो शॉट आगे रहे, जिन्होंने छह-अंडर 66 के साथ समापन किया, जो सप्ताह का सर्वश्रेष्ठ राउंड था। न्यूजीलैंड के रॉबी टर्नबुल आठ अंडर 280 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे, उनके बाद जापान के ताइशी मोटो (281) और मलेशिया के एंसन येओ (282) का स्थान रहा। पारंपरिक एशिया-प्रशांत गोल्फिंग दिग्गजों जापान, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की चुनौतियों को मात देते हुए, वियतनामी तिकड़ी एनह मिन्ह, ले खान हंग और हो एनह हुई ने एक शानदार जीत के साथ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। एनह मिन्ह के 67 और एनह हुई के 69 के अंतिम राउंड की बदौलत, वियतनाम ने इस इवेंट में अंतिम दिन आठ-अंडर 136 का टीम स्कोर बनाया, जिसमें प्रत्येक तीन-सदस्यीय टीम में दो सर्वश्रेष्ठ दैनिक स्कोर गिने जाते हैं। खान हंग, जिनका तीसरे दिन 69 का स्कोर निर्णायक साबित हुआ, ने पांच-ओवर 77 के साथ समापन किया। 20-अंडर 556 के कुल स्कोर के साथ वियतनाम ने गत चैंपियन और नोमुरा कप के 10 बार के विजेता जापान, से तीन स्ट्रोक की बढ़त हासिल की।

बीसीबी ने प्रमुख कोच हथुरुसिंघे को पद से हटाया, मारपीट और शर्तो के उल्लंघन करने के लगाए आरोप

ढाका। खिलाडी के साथ मारपीट और कदाचार के आरोप में दो दिन पहले हुए निलंबन के बाद बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने टीम के प्रमुख कोच चंडिका हथरुसिंघे को पद से हटा दिया है। यह निलंबन मैदान पर मौजूद उनके व्यवहार और रोजगार शर्तों के उल्लंघन के आधार पर किया गया है। चंडिका के स्थान पर फिल सिमंस को फरवरी 2025 में होने वाली आगामी चैंपियंस ट्रॉफी तक टीम का प्रमुख कोच नियुक्त किया गया है। बीसीबी के अध्यक्ष फारूक अहमद ने कहा कि हथुरुसिंघे ने बंगलादेश के एक क्रिकेटर के साथ मारपीट की और अपने अनुबंध में उल्लेखित से अधिक छुट्टियां लीं। बोर्ड ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर कदाचार के दो मामलों पर स्पष्टीकरण मांगा था। हथुरुसिंघे ने अगले दिन प्रतिक्रिया दी जिसके बाद गुरुवार को स्थिति की समीक्षा के लिए एक आपातकालीन बोर्ड बैठक बुलाई गई।

एक ही ओवर में लगातार लिए पांच विकेट, पार्कर ने किया कारनामा

नई दिल्ली। क्रिकेट मैच के दौरान एक ही ओवर में पांच लगातार गेंद पर पांच विकेट लेते गेंदबाज के बारे में आपने कभी नहीं सुना होगा। आस्ट्रेलिया में 116 साल के क्रिकेट इतिहास में ये पहली बार देखने को मिला, जब ग्लेन पार्कर नाम के गेंदबाज ने ये कारनामा कर दिखाया। विक्टोरियन सब-डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन में गेंदबाज ग्लेन पार्कर ब्राइटन के लिए खेल रहे थे और सामने थी हूपर्स क्रॉसिंग की टीम । शुरुआती ओवर्स से ब्राइटन के गेंदबाजो की जमकर पिटाई हो रही थी तभी वो हुआ जो अकल्पनीय था ब्राइटन टीम के कप्तान पैट कैसेडी ने गेंदबाजी के लिए ग्लेन पार्कर को बुलाया। ग्लेन पार्कर ने एक ही ओवर में, लगातार पांच गेंदों में अविश्वसनीय रूप से पांच विकेट लिए । ये इतिहास रचने के बाद ग्लेन पार्कर से जब पुछा गया कि उन्होंने क्या खास किया तो पार्कर ने कहा कि वो सही जगह गेंद को गिरा रहे थे और बाकी बल्लेबाजी लगातार उनको गलत लाइन में खेलते चले गए ।ये क्रिकेट इतिहास की पहली ट्रिपल हैट्रिक थी आज तक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में इससे पहले ये कारनामा नही हुआ था। मैच की पहली गेंद पर बल्लेबाज कैच हुआ बाकी दो बल्लेबाज बोल्ड और दो एलबीडब्ल्यू आउट हए । गेंदबाजी के लिए वैसे भी आस्ट्रेलिया स्वर्ग माना जाता रहा है और ऐसे में फर्स्ट क्लास क्रिकेट के कुछ अनोखे रिकार्ड कंगारू गेंदबाजो के नाम अगर नजर आए तो चौंकिएगा मत।

आईएमएल की गवर्निंग काउंसिल में सुनील गावस्कर, शॉन पोलक, सर विवियन रिचर्ड्स शामिल

मुंबई।
इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) ने अपनी गवर्निंग काउंसिल के गठन की घोषणा की है, जिसमें क्रिकेट की तीन महान हस्तियाँ लीग कमिश्नर सुनील गावस्कर, सर विवियन रिचर्ड्स और शॉन पोलक शामिल हैं। ये तीनों खिलाड़ी आईएमएल की रणनीतिक दिशा, नियमों और संचालन की देखरेख करेगी।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का पहला संस्करण 17 नवंबर से 8 दिसंबर, 2024 तक खेला जाएगा, जिसमें नवी मुंबई का डी.वाई. पाटिल स्टेडियम शुरुआती चरण की मेजबानी करेगा। लखनऊ और रायपुर अन्य दो स्थान होंगे, जिनमें रायपुर फाइनल की मेजबानी करेगा।

क्रिकेट के अग्रणी और टेस्ट में 10,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज, सुनील गावस्कर अपने चतुर क्रिकेट दिमाग और खेल की अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं।

गावस्कर ने एक विज्ञप्ति में कहा, गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों के रूप में हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होगा कि अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग क्रिकेट की भावना के प्रति सच्ची बनी रहे, जबकि वैश्विक स्तर पर प्रशंसकों को मनोरंजन प्रदान किया जाए। आईएमएल न केवल खेल के महारथियों के लिए एक श्रद्धांजलि है, बल्कि उन प्रशंसकों के लिए एक उत्सव भी है जो अपने नायकों को संजोना जारी रखते हैं।

सर विव रिचर्ड्स, जो अब तक के सबसे विध्वंसक बल्लेबाजों में से एक हैं, 1970 और 1980 के दशक में क्रिकेट पर छाई वेस्टइंडीज टीम के अभिन्न सदस्य थे। वे सीमित ओवरों के खेल में अपने समय से आगे के खिलाड़ी थे और उनकी कप्तानी में वेस्टइंडीज एक भी टेस्ट सीरीज़ नहीं हारी।

आईएमएल की गवर्निंग काउंसिल में शामिल होने पर सर विवियन रिचर्ड्स ने कहा, आईएमएल एक अविश्वसनीय मंच है जो प्रशंसकों को खेल के पिछले महारथियों को फिर से एक्शन में देखने का अनूठा रोमांच प्रदान करेगा। मैं गवर्निंग काउंसिल का हिस्सा बनने और इस अभिनव लीग को सफलता की ओर ले जाने में मदद करने के लिए उत्साहित हूँ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और अब तक के सबसे सफल ऑलराउंडरों में से एक शॉन पोलक,

आईएमएल गवर्निंग काउंसिल के सदस्य के रूप में अपने अनुभव और बहुमुखी प्रतिभा को सामने लाएंगे।

पोलक ने कहा, क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के साथ गवर्निंग काउंसिल का हिस्सा बनना शानदार है। आईएमएल उन महान खिलाड़ियों के कौशल और क्लास का आनंद लेने का एक मौका है, जिन्होंने वर्षों से इतने सारे प्रशंसकों का मनोरंजन किया है। वे नई पीढ़ी को भी प्रेरित करेंगे। मैं उम्मीद करता हूं कि मैं लीग को सभी के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बनाने के लिए अपनी भूमिका निभाऊंगा।

भारत ए के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वापसी के लिए तैयार ईशान किशन

नई दिल्ली। ईशान किशन को इस साल की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था, क्योंकि उन पर घरेलू क्रिकेट की तुलना में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को प्राथमिकता देने का आरोप था। अब वे भारत ए टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वर्तमान में झारखंड की अगुआई कर रहे किशन ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मैचों और सीनियर राष्ट्रीय टीम के साथ एक इंट्रा-स्क्वाड मैच में खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो टेस्ट 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक मैके में और 7 से 10 नवंबर तक एमसीजी में होने हैं। हालांकि बीसीसीआई ने अभी तक टीम की पुष्टि नहीं की है, लेकिन रुतुराज गायकवाड़ या अभिमन्यु ईश्वरन के टीम की कप्तानी करने की उम्मीद है।

चामिका करुणारत्ने की जगह ऑलराउंडर चामिंडू टीम में शामिल

पल्लेकल।
चामिका करुणारत्ने की जगह तेज गेंदबाज ऑलराउंडर चामिंडू विक्रमसिंघे को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी तीन मैचों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका की टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंका ने स्पिन आक्रमण में जेफरी वेंडरसे को भी शामिल किया है जिसकी अगुआई महेश थीक्षाना और वानिंदू हसरंगा करेंगे। वेंडरसे और वेलालेज अतिरिक्त विकल्प प्रदान करेंगे। विक्रमसिंघे को पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20आई टीम में शामिल किया गया था लेकिन जब स्पिन के अनुकूल सतहें आम हो गईं, तो उनकी जगह डुनिथ वेलालेज को शामिल किया गया। तेज गेंदबाजी विभाग में मोहम्मद शिराज ने अपनी जगह बरकरार रखी है। इस बीच दिलशान मदुशंका चोट के कारण वेस्टइंडीज टी20आई श्रृंखला से बाहर रहने के बाद वापस लौटे हैं। हालांकि, वेस्टइंडीज के खिलाफ तीनों टी20आई खेलने वाले युवा तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को एकदिवसीय टीम से बाहर रखा गया है। असिथा फर्नांडो तेज गेंदबाजी आक्रमण को पूरा करेंगे। श्रीलंका की बल्लेबाजी इकाई हाल के मैचों से अपरिवर्तित है, जिसमें कप्तान चरिथ असलांका टीम की अगुआई कर रहे हैं। टीम में अनुभवी खिलाड़ी अविष्का फर्नांडो, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस और सदीरा समरविक्रमा शामिल हैं जबकि कामिंडु मेंडिस, जनिथ लियानागे और निशान मदुश्का जैसे खिलाड़ी गहराई और बहुमुखी प्रतिभा जोड़ते हैं। तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 20 अक्टूबर से शुरू होगी, जिसके सभी खेल पल्लेकेले में खेले जाएंगे। श्रीलंका वनडे टीम में चैरिथ असलांका (कप्तान), अविष्का फर्नांडो, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस, जेनिथ लियानाज, सदीरा समरविक्रमा, निशान मदुश्का, डुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, चामिंडु विक्रमसिंघे, असिथा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका, मोहम्मद शिराज को शामिल किया गया है। ये टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलेंगी।

फाइनल में भिड़ेंगे न्यूजीलैंड-साउथ अफ्रीका, महिला टी20 वर्ल्ड कप में बनेगा इतिहास

नई दिल्ली।
न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच महिला टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला 20 अक्टूबर यानी रविवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम पहली बार वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचेगी। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को हराकर 14 साल बाद फाइनल में पहुंची है। वहीं साउथ अफ्रीका टीम लगातार दूसरी बार विश्व कप के खिताबी मुकाबला खेलेगी। न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को हराया वहीं साउथ अफ्रीका ने मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराया था। दोनों टीमों में से कोई भी टीम अभी तक यह टूर्नामेंट नहीं जीत सकी है। जो टीम इसे जीतेगी उसके नाम पहली बार टी20 विश्व कप ट्रॉफी होगी। भारतीय समय के मुताबिक यह मैच शाम 7:30 बजे दुबई में खेला जाएगा।

3 अक्टूबर को महिला टी20 वर्ल्ड कप का आगाज हुआ था जिसमें कुल दस टीमों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कई मैचों का फैसला आखिरी ओवर में हुआ। हालांकि खिताब की प्रबल दावेदार और मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की हार टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर थी। साल 2009 के बाद पहली बार विश्व कप फाइनल ऑस्ट्रेलिया के बगैर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया टीम सबसे ज्यादा 6 बार यह ट्रॉफी अपने नाम कर

चुकी है। वहीं फाइनल में पहुंची साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड में ना तो उनकी पुरुष टीम और ना ही महिला टीम इस ट्रॉफी को अभी तक जीत सकी है।

न्यूजीलैंड ने मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में पहुंची है। टी20 विश्व कप में उतरने से पहले इस टीम ने साल 2024 में खेले 13 टी20 मैचों में से सिर्फ एक मैच जीता था। इसके बाद विश्व कप में उसने जो प्रदर्शन किए उससे फैंस भी हैरान है। अब यह टीम खिताब से एक कदम की दूरी पर है।

साउथ अफ्रीका को 'चोकर्स' कहा जाता है, क्योंकि यह टीम बड़े मुकाबलों में हार जाती है। पुरुष और महिला टीम पर यह टैग सटीक बैठता है। साउथ अफ्रीकी टीम लगातार दो बार उप विजेता रही है। इसकी पुरुष टीम हाल में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में हार गई थी।

पीकेएल 11 के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए बॉलीवुड स्टार विद्या बालन, कार्तिक आर्यन

हैदराबाद।
प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 की शुरुआत सितारों से सजी हुई थी। शुक्रवार शाम बॉलीवुड की मशहूर हस्तियां विद्या बालन और कार्तिक आर्यन तेलुगु टाइटन्स और बेंगलुरु बुल्स के बीच खेले गए पहले मैच में शामिल हुईं। दोनों स्टार अपनी आने वाली फिल्म 'भूल भुलैया 3' के प्रमोशन के लिए आए थे और हैदराबाद के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में उनकी मौजूदगी ने पहले से ही जोश से भरे माहौल में चार चांद लगा दिए।

कार्तिक आर्यन ने इस अवसर पर कहा,मैं बचपन में गली कबड्डी खेलता था, लेकिन प्रो कबड्डी लीग में जिस तरह से यह खेली जा रही है, उस तरह से पेशेवर स्तर पर नहीं। इसे देखना बहुत मजेदार है।

वहीं, विद्या बालन ने इस सीजन के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, मुझे कबड्डी देखने में मजा आया। हम पवन (सेहरावत) और प्रदीप (नरवाल) से मिले, जो शानदार खिलाड़ी हैं। पवन एक बेहतरीन खिलाड़ी है और प्रदीप रिकॉर्ड तोड़ने वाला खिलाड़ी है, इसलिए मैं उन्हें इस सीजन के लिए शुभकामनाएं देती हूं।

बता दें कि पीकेएल 11 ने पहली सीटी बजने

से पहले ही इतिहास रच दिया, जिसमें आठ खिलाड़ियों ने नीलामी में 1 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। लीग तीन शहरों में शुरू होने वाली है, जिसकी शुरुआत हैदराबाद से हुई, फिर नोएडा में होगी और पुणे में इसका समापन होगा।

सेलिब्रिटी ग्लैमर, रिकॉर्ड-तोड़ खिलाड़ी मूल्यांकन और प्रशंसकों के अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, पीकेएल 11 अगले तीन महीनों के लिए घरों में खेल के रोमांच को अपने कब्जे में लेने के लिए तैयार है।

दिल्ली हाफ मैराथनः एड्रिस-चेप्टेगी और मैककोलगन-लिमो के बीच होगा दिलचस्प मुकाबला

नई दिल्ली।
विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस, दिल्ली हाफ मैराथन के आगामी संस्करण में रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में शीर्ष सम्मान के लिए कुछ विश्व स्तरीय धावक भाग लेंगे।

युगांडा के जोशुआ चेप्टेगी, जो दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं, का सामना इथियोपिया के दो बार के 5000 मीटर विश्व चैंपियन मुक्तार एड्रिस से होने वाला है।

दिलचस्प बात यह है कि एड्रिस ने हाल ही में टिलबर्ग में 10 मील की दौड़ में चेप्टेगी को हराया था। शुक्रवार शाम को यहां रेस से पहले प्रेस मीट में शीर्ष एथलीटों ने हिस्सा लिया।

युगांडा पुलिस बल में कार्यरत चेप्टेगी ने बताया कि कैसे भारत में उनकी पहली रेस ने उनके करियर के लिए एक बेंचमार्क स्थापित किया।

उन्होंने कहा, भारत ने मेरे लिए एक बड़ी भूमिका निभाई, खासकर इसलिए क्योंकि यह मेरी सफलता की कहानी का एक बड़ा हिस्सा था। इसने

मुझे एक वास्तविक अवसर दिया, और दस साल बाद भी, मेरी प्रबंधन टीम ने कहा, %यदि आप अपने करियर के और 10 साल सड़कों पर बिताना चाहते हैं, तो आपको भारत वापस जाना होगा। इसलिए मैं लोगों को कुछ वापस देने के लिए भारत वापस आया हूं।

दिल्ली हाफ मैराथन में अपने प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त चेप्टेगी ने कहा, मुझे उम्मीद है कि रविवार की दौड़ मेरे लिए अच्छी रहेगी। मेरी प्राथमिकता दिल्ली हाफ मैराथन के माध्यम से अपने अगले अध्याय की ओर बढ़ना है।

हाल ही में लगी चोट से उबरने को लेकर एड्रिस ने कहा, मेरी चोट अब लगभग 95 प्रतिशत ठीक हो गई है, हालांकि एक छोटी सी समस्या आई है। लेकिन यह प्रबंधनीय है। मैं वर्तमान में अपने पिछले फॉर्म के 70-80 प्रतिशत पर हूं और लगातार सुधार कर रहा हूं। मेरा लक्ष्य पूरी ताकत से वापसी करना है, खासकर लंबी दौड़ के लिए। मेरे परिवार ने पूरे समय मेरा बहुत साथ दिया।

2019 में एक चुनौतीपूर्ण दौड़ को याद करते हुए, एथलीट ने बताया कि कैसे चोटों के कारण उन्हें शुरुआत में मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा, दोहा में 5000 मीटर की फ़ाइनल के दौरान, गर्मी और उमस बहुत ज्यादा थी। यह कठिन था, लेकिन इसने मेरे पक्ष में काम किया। मैं अंतिम 400 मीटर तक समूह के साथ रहा और अंतिम चरण में, मैं अन्य एथलीटों और खुद को आश्चर्यचकित करने में कामयाब रहा। किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि मैं उस दिन जीत जाऊंगा।

महिलाओं के वर्ग में 10,000 मीटर में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन, इलिश मैककोलगन शामिल हैं। हालांकि, केन्या की सिंथिया लिमो, 2016 विश्व हाफ मैराथन की रजत पदक विजेता, आगामी दौड़ में ब्रिटिश धावक को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार हैं।

दिल्ली हाफ मैराथन से पहले अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत करने वाली मैककोलगन ने कहा, इतने लंबे समय तक खेल से बाहर रहना कठिन है। वापसी में लगभग छह महीने लगते हैं और फिर फिटनेस को फिर से बनाने में और समय लगता है। मैं अभी तक ब्रिटिश रिकॉर्ड या अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हूं, लेकिन चीजें अच्छी तरह से हो रही हैं। मैंने हाल ही में लगातार सप्ताहांत में दो हाफ मैराथन की, जो मैं आमतौर पर नहीं करती। एक करना मुश्किल है, दो तो छोड़िए, लेकिन इसने मुझे विश्वास दिलाया है कि मेरा शरीर ठीक है और अच्छी तरह से ठीक हो रहा है।

वह 2008 के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता के लिए भारत लौट रही हैं और दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा, मेरी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता भारत में 2008 के राष्ट्रमंडल युवा खेलों में थी, इसलिए मैं यहाँ फिर से दौड़ने के लिए उत्साहित हूँ। दिल्ली हाफ मैराथन मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली है, जो पेशेवर दौड़ में मेरी वापसी का प्रतीक है। मैं अपना पीबी नहीं बना पाई, लेकिन मैं इस इवेंट से पहले अपनी प्रगति से खुश हूँ।

बिना डॉक्टर से पूछें न लें खांसी सिरप

खांसी होने पर सामान्यत हम कैमिस्ट से कफ सिरप ले आते हैं। लेकिन इनका प्रयोग विशेषज्ञ की सलाहानुसार ही किया जाना चाहिए क्योंकि यह अलग-अलग कारणों से विभिन्न प्रकार की हो सकती है। एंटीबायोटिक बैक्टीरिया के संक्रमण से खांसी होने पर इसे एंटीबायोटिक से नियंत्रित किया जाता है। एंटी-हिस्टामाइन्स एलर्जी, खाने की दवा के रिएक्शन से खांसी होने पर एंटी-हिस्टामाइन्स कारगर मानी जाती है।

आपके लिए खतरनाक है धूम्रपान

शोध से यह पता चलता है कि धूम्रपान और मानसिक स्वास्थ्य का परस्पर घनिष्ठ संबंध है। 2700 लोगों पर एक शोध किया गया और पाया गया कि धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, उन व्यक्तियों की तुलना में जो धूम्रपान नहीं करते, अधिक चिंतित व उदास रहते हैं। उनका मानसिक स्वास्थ्य सही नहीं रहता। जो लोग इस आदत से छुटकारा नहीं पा सकते, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर तो इसका बहुत ही बुरा असर पड़ता है।

मिट्टी में सोने के अद्भुत फायदे

मिट्टी में सोने से कई फायदे होते हैं। इसका उपयोग कई तरह के रोगों के इलाज में भी किया जाता है। इससे नींद न आना, स्नायु की कमजोरी और खून की खराबी आदि रोग दूर होते हैं। इसके अलावा मिट्टी की मालिश-मिट्टी को शरीर पर अच्छी तरह से मलने से और शरीर पर लगाने से जहरीले तत्व शरीर से बाहर निकल जाते हैं। साबुन के स्थान पर शुद्ध मिट्टी लगाकर नहाने से कई प्रकार के रोगों में फायदा होता है।

घरेलू उपचार

पित्त और कफ विकारों में गूलर का चमत्कार...

मोरासी परिवारी का सदस्य गूलर लंबी आयु वाला वृक्ष है। इसका वनस्पतिक नाम फीकुस ग्लोमेराता रौक्सबुर्ग है। यह सम्पूर्ण भारत में पाया जाता है। यह नदी-नालों के किनारे एवं दलदले स्थानों पर उगता है। इसके फल गोल, गुच्छों में लगते हैं। फल मार्च से जून तक आते हैं। कच्चा फल छोटा हरा होता है पकने पर फल मीठे, मुलायम तथा छोटे-छोटे दानों से युक्त होते हैं। इसका फल देखने में अंजीर के फल जैसा लगता है। इसके तने से क्षीर निकलता है। आयुर्वेदिक चिकित्सकों के अनुसार गूलर का कच्चा फल कसैला और दाहनाशक है। पका हुआ गूलर रुचिकारक, मीठा गूलर शीतल, पित्तशामक, तृषाशामक, श्रमहर, कब्ज मिटाने वाला तथा पौष्टिक है। इसकी जड़ में रक्तस्राव रोकने तथा जलन शांत करने का गुण है। गूलर के कच्चे फलों की सब्जी बनाई जाती है तथा पके फल खाए जाते हैं। इसकी छाल का चूर्ण बनाकर या अन्य प्रकार से उपयोग किया जाता है। गूलर के नियमित सेवन से शरीर में पित्त एवं कफ का संतुलन बना रहता है। इसलिए पित्त एवं कफ विकार नहीं होते। साथ ही इससे उदरस्थ अग्नि एवं दाह भी शांत होते हैं। पित्त रोगों में इसके पत्तों के चूर्ण का शहद के साथ सेवन भी फायदेमंद होता है।

मधुमेह में राहत: गूलर की छाल ग्राही है, रक्तस्राव को बंद करती है। साथ ही यह मधुमेह में भी लाभप्रद है। गूलर के कोमल-ताजा पत्तों का रस शहद में मिलाकर पीने से भी मधुमेह में राहत मिलती है। इससे पेशाब में शर्करा की मात्रा भी कम हो जाती है।

बवासीर में फायदेमंद: गूलर के तने का दूध बवासीर एवं दस्त के लिए श्रेष्ठ दवा है। खूनी बवासीर के रोगी को गूलर के ताजा पत्तों का रस पिलाना चाहिए। इसके नियमित सेवन से त्वचा का रंग भी निखरने लगता है।

बिवाई फटने पर: हाथ-पैरों की त्वचा फटने या बिवाई फटने पर गूलर के तने के दूध का लेप करने से आराम मिलता है, पीड़ा से छुटकारा मिलता है। गूलर से स्त्रियों की मासिक धर्म संबंधी अनियमितताएं भी दूर होती हैं। स्त्रियों में मासिक धर्म के दौरान अधिक रक्तस्राव होने पर इसकी छाल के काढ़े का सेवन करना चाहिए। इससे अत्याधिक बहाव रुक जाता है। ऐसा होने पर गूलर के पके हुए फलों के रस में खांड या शहद मिलाकर पीना भी लाभदायक होता है।

मुंह के छाले: मुंह के छाले हों तो गूलर के पत्तों या छाल का काढ़ा मुंह में भरकर कुछ देर रखना चाहिए। इससे फायदा होता है। इससे दांत हिलने तथा मसूढ़ों से खून आने जैसी व्याधियों का निदान भी हो जाता है। यह क्रिया लगभग दो सप्ताह तक प्रतिदिन नियमित रूप से करें।

जलने पर: आग से या अन्य किसी प्रकार से जल जाने पर प्रभावित स्थान पर गूलर की छाल को लेप करने से जलन शांत हो जाती है। इससे खून का बहना भी बंद हो जाता है। पके हुए गूलर के शरबत में शक्कर, खांड या शहद मिलाकर सेवन करने से गर्मियों में पैदा होने वाली जलन तथा तृषा शांत होती है।

नेत्र विकार: आंखों में पानी आना, जलन होना आदि के उपचार में भी गूलर उपयोगी है। इसके लिए गूलर के पत्तों का काढ़ा बनाकर उसे साफ और महीन कपड़े से छान लें। ठंडा होने पर इसकी दो-दो बूंद दिन में तीन बार आंखों में डालने से नेत्र ज्योति भी बढ़ती है। नकसीर फूटती हो तो ताजा एवं पके हुए गूलर के लगभग 25 मिली लीटर रस में गुड़ या शहद मिलाकर सेवन करने या नकसीर फूटना बंद हो जाती है। किसी भी दवा का सेवन डॉक्टर या वैद्य की सलाह से ही करें।

सेहतमंद रहने की अनोखी विधि

- अपनाएं गंडूषकर्म या ऑइल पुलिंग तकनीक
- शरीर से विषों को निकालने की आयुर्वेद विधि
- छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा
- पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय, भारतीय नहीं जानते

मामूली से खर्च में हमेशा स्वस्थ और ऊर्जावान रहने की विधि है गंडूषकर्म या तेल चूषण विधि। मुख के अंदर तेल भरकर कुछ समय तक रखने या चूसने मात्र से अनेकानेक रोगों से छुटकारा मिल सकता है। यह बहुत पुरानी आयुर्वेद की चिकित्सा है जिसको आज सिर्फ कुछ गिने चुने लोग ही जानते हैं। आज पश्चिमी जगत इसको आइल पुलिंग थेरेपी के नाम से जानता है। आयल पुलिंग शरीर से विषों को निकाल डी टॉक्सिफाई करने की आसान सरल और सस्ती विधि है। छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा दिलाने में बहुत अहम है यह प्रक्रिया। यह विधि आज पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय है, मगर दुर्भाग्य है कि भारत के लोग ही इसको नहीं जानते। आज हम आपको इसी विधि के बारे में बताएंगे। इससे शरीर विषमुक्त तो होगा ही साथ ही साथ नई ऊर्जा और रोग मुक्त हो कर आप बिल्कुल नया अनुभव करेंगे।

आश्चर्यजनक शोध

ऑइल पुलिंग को आयुर्वेद में गंडूषकर्म के नाम से जाना जाता है। इस तकनीक पर हाल के ही दिनों में कुछ शोधकर्ताओं ने शोध भी किए हैं और उनके परिणाम इतने सकारात्मक निकले हैं कि भरोसा करना मुश्किल है। कुछ रोगों में तो लाभ महज दो दिनों में ही सामने आ जाता है, जबकि कुछ में एक साल का समय लग जाता है। आमतौर पर फायदे के लिए ऑइल पुलिंग तकनीक को कम से कम लगातार चालीस से पचास दिनों तक प्रयोग में लाए जाने के आवश्यकता होती है।

आइल पुलिंग की विधि

सवेरे उठकर मुंह साफ करने के बाद लेकिन नाश्ते से पहले एक बड़ा चम्मच 10 एमएल सूरजमुखी का तेल, या तिल का तेल, या मूंगफली का तेल लीजिए, इसको मुंह में भर लेने के बाद मुंह बंद रखकर उसे मुंह में घुमाए और दांतो से खींचे और ऐसा 15-20 मिनट तक करें। अन्य शब्दों में, तेल को चबाने की क्रिया करे। चबाते समय ठोड़ी को हिलाएं (घोड़े द्वारा दाना खाने के समान)। इससे अच्छी लार बनती है और मुख की श्लैष्मिक झिल्ली के माध्यम से रक्तदोष और विष खींच लिए जाते हैं। मुंह में तेल भरकर इस क्रिया को करने से 15-20 मिनट में तेल दूषित, पतला और सफेद हो जाता हैं। इसके बाद दूषित तेल को थूक दीजिए।

कुछ सावधानियां रखें

किसी भी हालत में इस जहरीले तेल को निगलना नहीं हैं। इसके बाद मुंह को अच्छी तरह धो लीजिए और दातुन या दंत मंजन कर लीजिये। आइल पुलिंग के बाद शरीर के जहरीले तत्व तेल के साथ मुंह में आ जाते हैं। यह चिकित्सा रोगी को अपने रोग अनुसार दिन में दो या तीन बार करनी चाहिए। ध्यान रहे यह करने से पहले पेट खाली ही हो, अर्थात भोजन के पहले ही करना है।

ताजे और पुराने रोग

ताजे रोग और प्रारंभिक चिकित्सा काल के संक्रमण 2 से 4 दिन में शीघ्रता से ठीक हो जाते हैं परंतु पुरानी बीमारियां ठीक होने में अधिक समय लग जाता है। अतः चिकित्सा प्रक्रिया छोड़नी नहीं चाहिए। प्रयोग के प्रारंभ में खासकर एक से अधिक रोग वाले रोगी की तकलीफे बढ़ सकती हैं। जैसे शरीर का तापमान बढ़ जाना इत्यादि। ऐसी स्थिति में घबराकर चिकित्सा नहीं छोड़ें। बिना किसी दखल के अपने आप सब ठीक हो जाता है। ऐसे लक्षण इस बात का सूचक हैं के रोग खत्म हो रहा है और चय अपचय बढ़ने से रोगी का स्वास्थ्य सुधर रहा है।

ये हैं फायदे

आयल पुलिंग से विषैले ट्यूमर का बनना रुक जाता है और धीरे धीरे रोग समाप्त हो जाता है। इसके परिणाम से आंखों के नीचे काले घेरे मिट जाते हैं और ताजगी, स्फूर्ति, शक्ति, स्मरणशक्ति, बढ़ जाती है।

इन बीमारियों से छुटकारा आइल पुलिंग से निरंतर स्वस्थ रहने को तो बल मिलता है। इसके इलावा जिन रोगो के ठीक होने का दावा विज्ञान भी करता है उनमें खास हैं दांतों की बीमारियां, मसूड़ों से खून का बहना, दांत दर्द, दांतो का पीलापन, पुराने रक्त रोग, झाइयां, झुर्रियां, सिरदर्द, श्वासनली की सूजन (ब्रोंकाइटिस), थ्रोम्बोसिस, हृदय रोग, गुर्दे और मूत्र संबंधी बीमारियां, पेट, फेफड़े और जिगर के रोग, अस्थिरोग, चर्मरोग, स्नायु रोग, पक्षाघात, अनिद्रा आदि। यह प्रक्रिया कैंसर में भी बहुत लाभदायक है।

इंटरेस्टिंग फैक्ट

ब्रेन के हुनर की वजह से यात्रा के दौरान आती है मितली...

बस या कार में यात्रा करते हुए जी मचलना या उल्टी आना, ऐसी परेशानी बहुत लोगों को होती है। असल में ऐसा मस्तिष्क के जबरदस्त हुनर के चलते होता है। बस, कार, विमान या पानी के जहाज में यात्रा करने के दौरान शरीर और मस्तिष्क के बीच एक असमंजस की स्थिति बन जाती है। यात्रा के दौरान दिमाग को ऐसा लगता है जैसे शरीर में जहर फैल रहा है। जान बचाने के लिए मस्तिष्क हरकत में आता है। जी मचलने लगता है और उल्टी सी आने लगती है। इस तरह दिमाग शरीर से विषैले तत्वों को बाहर करने की कोशिश करता है। लेकिन दिमाग को ऐसे संकेत मिलते क्यों हैं? इसका कारण समझाते हुए डॉक्टर कहते हैं कि यात्रा के दौरान सीट पर बैठा इंसान स्थिर होता है लेकिन कान लगातार गति की आवाज मस्तिष्क तक पहुंचा रहे होते हैं। कान, दिमाग को बताते हैं कि हम गतिशील है। एक तरफ स्थिर शरीर होता है तो दूसरी तरफ गति से जुड़ी जानकारी। ऐसी परस्पर विरोधाभासी जानकारी मिलने पर मस्तिष्क को लगने लगता है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

कान के भीतर बैलेंस सेंसर

अगर आप पानी के जहाज में बैठे हैं और बाहर सब एक समान है तो आपकी आंखें गति की जानकारी नहीं देती हैं, लेकिन हमारे कानों में द्रवीय पदार्थ होते हैं जो भौतिक विज्ञान के सिद्धांतों पर चलते हैं। गति के दौरान ये द्रवीय पदार्थ गतिमान होते हैं। ऐसी स्थिति में मस्तिष्क को कई तरह के सिग्नल मिलते हैं। मांसपेशियां और आंखें बता रही होती हैं कि हम स्थिर हैं और कान के बैलेंस सेंसर कह रहे होते हैं कि हम गतिमान हैं। ये दोनों विरोधाभासी संकेत सही नहीं हो सकते। दिमाग को पता चल जाता है कि कुछ गड़बड़ है। लाखों साल के क्रमिक विकास के दौरान दिमाग यह सीख चुका है कि ऐसी गड़बड़ तभी होती है जब शरीर के भीतर विषैले तत्व आ जाएं। उनसे निपटने के लिए ब्रेन तुरंत हरकत में आता है और मितली सी आने लगती है या उल्टी होने लगती है।

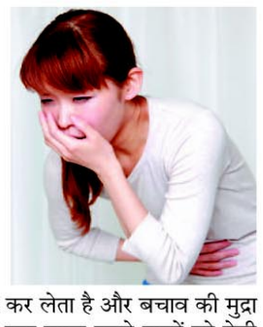

कैसे बचें

यात्रा के दौरान आगे तरफ देखते हुए अगर आंखें खुली रखी जाएं तो काफी आराम मिलता है। असल में ऐसा करने से दिमाग को पता चलता है कि हम गतिमान हैं और वह इस तथ्य को स्वीकार कर लेता है और बचाव की मुद्रा में नहीं आता है। आम तौर पर बच्चों या कम सफर करने वालों को ऐसी समस्या सबसे ज्यादा होती है। बच्चों का दिमाग विकास कर रहा होता है, वह यात्रा करने का आदी नहीं होता, इसीलिए बचपन में ऐसी तकलीफ ज्यादा होती है लेकिन धीरे धीरे उम्र बढ़ने और यात्रा के बढ़ते अनुभव के साथ मस्तिष्क इसे समझ जाता है और तालमेल बैठा लेता है।

समाजशास्त्र में बेहतर करियर ...

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग- अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती सामाजिक जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जन संपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है। आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों सहित समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र, समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्त्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण है बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है। यही वजह है कि इस विषय का इतना महत्त्व है।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पोलिटिकल साइंस, इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

समाज शास्त्र का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि 14वीं शताब्दी के उत्तर अफ्रीकी अरब विद्वान इब्न खल्दून प्रथम समाजशास्त्री थे, जिन्होंने सामाजिक एकता और सामाजिक संघर्ष के वैज्ञानिक सिद्धांतों को पहली बार उजागर किया। एक विषय के रूप में समाजशास्त्र की शुरुआत सबसे पहले 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में हुई। 1891 ई. में कंसास विश्वविद्यालय में इतिहास और समाजशास्त्र विभाग की स्थापना की गई। समाजशास्त्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग 1895 में शुरू हुआ। 1905 में सारी दुनिया के पेशेवर समाजशास्त्रियों के संगठन की स्थापना हुई। एक विषय के रूप में समाशास्त्र सर्वप्रथम 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में पढ़ाया गया।

क्यों खास है समाजशास्त्र

मनुष्य एक समाजिक प्राणी है। बिना समाज के मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इस वजह से समाज का महत्त्व बढ़ा है और जरूरत बढ़ी है समाजशास्त्र की। समाजशास्त्र यह जानने के लिए जरूरी है कि जिन परिस्थितियों में हम रह रहे हैं, उनकी विसंगतियों को कैसे दूर किया जाए। इस तरह यह अपने पारंपरिक मूल्यों व बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने तथा व्यक्तिगत व सार्वजनिक क्रियाओं को पूरा करने का विवेक भी देता है। एक तरह से कहा जाए तो सभी तरह की नीतियों और रणनीतियों का संबंध मानव जीवन की उन्नति से जुड़ा होता है। इसलिए करियर के लिहाज से इस विषय का महत्त्व स्वता ही बढ़ जाता है। मानव सभ्यता, संस्कृति, सोसायटी, जातीयता और सामाजिक संगठन आदि की जानकारी से हम अपने वर्तमान को अधिक बेहतर बना सकते हैं।

रोजगारपरक है विषय

देश में नए उद्योग, विद्युत प्रोजेक्ट और सीमेंट कारखाने लग रहे हैं। यहां पर इस विषय के जानकारों की जरूरत है। यह एक प्रोफेशनल विषय है। यदि आपको नौकरी नहीं करनी है तो आप एनजीओ बनाकर समाजसेवा कर सकते हैं। कंपनियां जहां अपना प्रोजेक्ट लगाती हैं, वहां श्रमिकों के पुनर्वास के लिए योजना बनाने के लिए समाजशास्त्रियों की मदद लेती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य को देखते हुए यह करियर ज्यादा रोजगारपरक है। स्कूलों और कालेजों में इस विषय की काफी डिमांड होने से इस का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा कई गैर सरकारी संगठन भी हैं, जिनमें समाजशास्त्रियों की बहुत डिमांड रहती है।

रोजगार के अवसर

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएं, मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और इसी कारण संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो, अपितु संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतरराष्ट्रय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएं जैसे यूनीसेफ, रेडक्रॉस तो हर वर्ष समाजशास्त्र एवं समाज कार्य में विशेषज्ञों की खोज में बड़े-बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करती हैं। इन संस्थाओं में निदेशक, प्रोग्राम आफिसर, टीम लीडर जैसे उच्च पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्ति दी जाती है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां छात्रों को को.आर्डिनेटर, सर्वे आफिसर या पब्लिक रिलेशन आफिसर जैसे उच्च पदों पर कार्य करने का मौका मिलता है। अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन में विशेषज्ञता रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, जेल, सुधारगृहों, बालगृहों जैसे स्थानों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

शिक्षण संस्थान

- बरकतउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल
- देवी अहिल्या विवि इंदौर
- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला
- पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी हुबली,धरवाड़ (कर्नाटक)
- जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र

विभिन्न कोर्सेज

अप्लाइड सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
इकॉनोमिक सोशोलॉजी
पोलिटिकल सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास
- समाज विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास

रेसिपी

मलाई कोफ्ता

सामग्री

कोफ्ता सामग्री: 200 ग्राम उबले आलू, 200 ग्राम पनीर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च, 100 ग्राम मकई आटा, 1/2 चम्मच गरम मसाला, 1 चम्मच नमक, 1 चम्मच धनिया, 1/2 चम्मच हरी मिर्च, काजू, **ग्रेवी सामग्री:** 50 मि.ली. जैतून तेल, 4 लौंग, 1 इलायची और दालचीनी, 3/4 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, 150 ग्राम प्याज, गरम मसाला, 1 चम्मच लाल मिर्च, 1/2 चम्मच हल्दी, 100 ग्राम काजू, 100 ग्राम टमाटर, 50 मि.ली. जल, 50 मि.ली. दही, 1 चम्मच हरी मिर्च, 100 मि.ली. टमाटर, 50 मि.ली. क्रीम

विधि

एक बर्तन में उबले आलू,पनीर,लाल मिर्च पाउडर, मकई का आटा, गरम मसाला,नमक,धनिया, हरी मिर्च आदि को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। तैयार किए मिश्रण का एक छोटा सा हिस्सा लेकर इसकों कोफ्ते का आकार दें और सुनहरा भूरा होने तक भून लें। फिर इसे निकालकर कागज पर रख लें। अब एक पैन में जैतून का तेल डालकर गर्म कर लें और इसमें लौंग, बड़ी इलायची, दालचीनी, हरी इलायची, काली मिर्च डालकर कर चलाएं। इन रंग सुनहरा होने तक इसमें अदरक और लहसुन का पेस्ट, प्याज डालें। फिर इसमें नमक, गरम मसाला,लाल शिमला मिर्च,चम्मच हल्दी पाउडर डाल कर मिक्स कर लें। इसके बाद काजू,टमाटर और पानी डालकर 5 मिनट तक पकने दें। जब तक यह सामग्री अच्छे से मिक्स हो जाएं इसको ब्लेंड कर दें। अब एक पैन लेकर उसमें जैतून का तेल डालकर हरी मिर्च, टमाटर प्यूरी को भूनें। इसके बाद पेन में पानी डालकर 5-10 मिनट के लिए पकने दें। इसमें ताजा क्रीम और तले हुए कोफ्ते अच्छी तरह से मिश्रित करें। मलाई कोफ्ता तैयार होने के बाद इसको धनिया के साथ गार्निश करें।

मिनी अनियन समोसा

सामग्री

आटे के लिए: 1/2 कप मैदा, 1 स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, **भरवां मिश्रण के लिए:** 1 कप प्याज, 2 किलो तेल, 1/2 स्पून ज़ीरा, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून गरम मसाला, 1/2 स्पून अमचुर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 2 स्पून कटा हुआ हरा धनिया, 1 स्पून बेसन, **अन्य सामग्री:** तलने के लिए तेल , परोसने के लिए: टमैटो कैचप, हरी चटनी

विधि

आटे के लिए: सभी सामग्री को एक गहरे बाउल मे डालकर ज़रुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें। एक तरफ रख दें। **भरवां मिश्रण के लिए:** एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, प्याज और नमक डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। आंच से हठाकर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, अमचुर, हल्दी पाउडर, धनिया और बेसन डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। आटे को नरम होने तक गूथ लें और 20 भाग में बांट लें। आटे के एक भाग को 75 मिमी। अंडाकार में बेल लें। गोले को चाकू से 2 भाग में तिरछा काट लें। एक भाग को निकालकर कोन के आकार में मोड़कर पानी से चिपका लें। कोन को 1 टी-स्पून भरवां मिश्रण से भरे और किनारों पर थोड़ा पानी लगाकर चिपका लें। बचे हुए आटे और भरवां मिश्रण का प्रयोग कर 19 और मिनी समोसे बना लें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई मे तेल गरम करें, समोसे डालकर, मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल ले। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। टमैटो कैचप और हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)